प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

लोक प्रेरणा

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित

RNI No.HARHIN/2022/90426 | वर्ष : 03, अंक: 14 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 2.00 | मंगलवार, 24 जून 2025 | lokparerna@gmail.com | +91-9255149495

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रांत प्रचारक बैठक दिल्ली में 4 से 6 जुलाई तक

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक प्रांत प्रचारक बैठक 4 से 6 जुलाई तक दिल्ली के केशवकुंज संघ कार्यालय में आयोजित होगी। बैठक में देशभर के संघ पदाधिकारी, प्रशिक्षण वर्गों की समीक्षा और आगामी शताब्दी वर्ष की योजनाओं पर विचार करेंगे। बैठक में वर्ष 2025-26 की सरसंघचालक की प्रवास योजना, शताब्दी वर्ष की गतिविधियों के क्रियान्वयन और हालिया प्रशिक्षणों की समीक्षा की जाएगी। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के अनुसार, यह अखिल भारतीय बैठक 4 से 6 जुलाई तक दिल्ली के केशवकुंज में होगी। इसमें संघ के 11 क्षेत्रों के क्षेत्र प्रचारक एवं सह क्षेत्र प्रचारक और 46 प्रांतों के प्रांत प्रचारक एवं सह प्रांत प्रचारक शामिल होंगे। संघ प्रेरित विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री भी बैठक में भाग लेंगे। मार्च 2025 में हुई प्रतिनिधि सभा की बैठक के बाद अप्रैल, मई और जून में सम्पन्न हुए प्रशिक्षण वर्गों की समीक्षा तथा आगामी योजनाओं की रूपरेखा तय करने के लिए यह बैठक विशेष महत्व रखती है। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह एवं अखिल भारतीय कार्य विभागों के प्रमुख, सह प्रमुख और कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहेंगे। प्रांत प्रचारक बैठक संघ की अखिल भारतीय स्तर पर होने वाली तीन प्रमुख बैठकों में से एक है। संघ इस वर्ष को शताब्दी वर्ष के तौर पर मना रहा है।

भारतीय सेना ने दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए खरीदे 450 नागास्त्र 'आत्मघाती ड्रोन'

लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम में 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल हुआ

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

भारतीय सेना 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग युद्ध सामग्री का ऑर्डर देकर अपनी सटीक हमला क्षमताओं को बढ़ा रही है। जीपीएस से लैस इन स्वदेशी 'आत्मघाती ड्रोन' में सटीकता के साथ हमले करने की क्षमता, उच्च ऊंचाई पर संचालन और दिन-रात निगरानी की सुविधा है। दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए डिजाइन किया गया यह हथियार देश के सैन्य ढांचे को और मजबूत करेगा। इस सिस्टम का परीक्षण लद्दाख और उत्तर प्रदेश में झांसी के पास बबीना सहित विभिन्न स्थानों पर किया गया है। आने वाले समय में ऐसे और भी अत्याधुनिक स्वदेशी हथियार सेना को मिल सकते हैं। नागपुर की सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में निर्मित अत्याधुनिक लोइटरिंग म्यूनिशन नागास्त्र-1आर की पहली खेप हासिल करने के बाद भारतीय सेना ने उपयोग किया है। इस हथियार की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अब सेना ने अपनी सटीक हमला क्षमताओं को बढ़ाने, अपनी पैदल सेना को आधुनिक बनाने के लिए 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग युद्ध सामग्री का ऑर्डर दिया है। यह एक किफायती सिस्टम है, जिसमें लॉन्चर सिस्टम की पूरी तरह से दोबारा इस्तेमाल की जा सकने वाली खूबियां हैं। इस सिस्टम में 360 डिग्री का जिम्बल कैमरा लगा है और रात में ऑपरेशन करने के लिए थर्मल कैमरा लगाने का विकल्प भी है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में निर्मित लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम में 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल हुआ है। इसे आम भाषा में 'घूमकर हमला करने वाला हथियार' कहा जा सकता है, क्योंकि यह एक तरह से हवाई एंबुश यानी घात लगाकर हमला करता है। दुश्मन के इलाके में उड़कर पहुंचने के बाद यह लक्ष्य के ऊपर हवा में मंडराता है और जैसे ही सही मौका मिलता है, यह सटीक निशाना लगाकर दुश्मन को खत्म कर सकता है। खास बात यह है कि अगर हमला रद्द करना हो तो इसे वापस भी बुलाया जा सकता है, जिससे यह दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। कंपनी के मुताबिक नागास्त्र-1आर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह दुश्मन के राडार की पकड़ में नहीं आता है। यह 4,500 मीटर से ज्यादा ऊंचाई से दुश्मन पर नजर रख सकता है। इसकी यह खूबी इसे दुश्मन के इलाके में गुपचुप पहुंचने और वहां से सुरक्षित हमले करने में मदद करती है। खासतौर पर आतंकवादियों के काफिले पर इसका इस्तेमाल कारगर हो सकता है। इसकी एंड्योरेंस यानी हवा में लगातार बने रहने की क्षमता 60 मिनट तक की है। यानी यह एक घंटे तक दुश्मन के इलाके में मंडरा सकता है और मौका मिलते ही

मोदी के नेतृत्व में देश ने खेल जगत का स्वार्णिम युग देखा: सीएम

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की ओर से ओलंपिक दिवस पर लेट्स मूव अभियान के तहत दौड़ का आयोजन किया गया। इस अभियान में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और राज्यसभा सदस्य एवं इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी ऊषा के साथ भाग लिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने खेल जगत का एक नया स्वर्णिम युग देखा है। फिर चाहे ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन हो, खेलो इंडिया जैसी दूरदर्शी योजनाएं हों या देशभर में अत्याधुनिक खेल अवसंरचना का विकास हो, भारत को खेल महाशक्ति बनाने का एक महायज्ञ प्रारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा, " देश को लगातार बेहतर खिलाड़ी मिल रहे हैं और केंद्र सरकार की ओर से खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। देश पूरी तरीके से ओलंपिक-2036 की मेजबानी के लिए तैयार है। हम चाहते हैं कि हमें ये मेजबानी मिले। हमारे खिलाड़ी अपनी तैयारी करें।" मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार इसी प्रेरणा से दिल्ली को खेल राजधानी बनाने के लिए पूरी शक्ति से कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन किया

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को आज उनके बलिदान दिवस पर कृतज्ञ राष्ट्र याद कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर डॉ. मुखर्जी को नमन किया। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर कोटि-कोटि नमन। उन्होंने देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए अतुलनीय साहस और पुरुषार्थ का परिचय दिया। राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हमेशा श्रद्धापूर्वक याद किया जाएगा।

नीतीश ने कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल की दी सौगात

पटना/लोक प्रेरणा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना में कच्ची दरगाह से बिदुपुर के बीच बने 6 लेन के गंगा पुल का उद्घाटन किया, जिससे पटना और राघोपुर के बीच सफर आसान हो गया है। इस पुल के बनने से अब राघोपुर के लोगों को साल भर सड़क संपर्क मिलेगा और उत्तर-दक्षिण बिहार के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। लोकर्पण के पश्चात मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित 6 लेन गंगा पुल का राघोपुर तक निरीक्षण भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल के लोकार्पण से राघोपुर दियारा क्षेत्र के लोगों को राजधानी पटना से पूरे वर्ष के लिये सड़क सम्पर्क मिलेगा। इस क्षेत्र में कृषि, उद्योग सहित अन्य व्यवसायों का और तेजी से विकास होगा। आकस्मिक चिकित्सा की स्थिति में मरीजों को भी काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि इससे महात्मा गांधी सेतु पर भी यातायात का भार कम हो गया है। उत्तर और दक्षिण बिहार के सम्पर्क के लिये लोगों को एक और वैकल्पिक मार्ग मिल गया है, जिससे आवागमन और सुगम हो गया है। उन्होंने कहा कि इससे पटना शहर में लगने वाले जाम से भी लोगों को राहत मिलेगी। इस पुल के निर्माण से पटना शहर के बाहर से ही लोग उत्तर बिहार के विभिन्न जगहों पर आसानी के साथ आवागमन कर सकेंगे। पटना के पूर्वी क्षेत्र के लोगों को भी सुगम यातायात का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमलोग राज्य में गुणवत्तापूर्ण सड़कों एवं पुलों का लगातार निर्माण कर आवागमन को सुगम बना रहे हैं। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने दीदारगंज में कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल को जेपी गंगा पथ से जोड़नेवाले निमार्णाधीन लिंक पथ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जेपी गंगापथ परियोजना को दीदारगंज तक पूरा कर लिया गया है। जेपी गंगापथ की तरफ से आने-जानेवाले वाहनों को कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल से सीधा संपर्क बहाल करने के लिए बचे हुए काम को एक माह में तेजी से पूर्ण किया जाए। उल्लेखनीय है कि पटना जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-30 पर अवस्थित कच्ची दरगाह एवं वैशाली जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ सख्या-103 पर अवस्थित बिदुपुर के बीच गंगा नदी पर कुल 19.76 किलोमीटर लम्बाई के 6 लेन ग्रीन फील्ड पुल परियोजना का निर्माण किया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 10 जनपथ नई दिल्ली में विश्वकर्मा समुदाय के नेताओं के साथ बातचीत की।

अमेरिकी हमले में ईरान के फोर्डो परमाणु केंद्र का बाल बांका नहीं बिगड़ा

तेहरान/लोक प्रेरणा

तेहरान टाइम्स अखबार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान के अंदर अमेरिकी बी-2 बमवर्षक विमान उड़ाए। वे ईरान के खिलाफ इजराइल के युद्ध में सीधे शामिल हुए। ईरान की तीन जगहों पर परमाणु सुविधाओं पर हमले किए। इसके बाद अपने सोशल ट्रुथ पर घोषणा की कि ईरान की प्रमुख परमाणु संवर्धन सुविधाओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया है। तेहरान टाइम्स का दावा है कि ट्रंप अपने हमलों की प्रभावशीलता का आकलन करने में गलत हैं। अमेरिकी हमले में ईरान के फोर्डो परमाणु केंद्र का

बाल बांका नहीं बिगड़ा है। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने एस्फाहान और नतांज परमाणु सुविधा केंद्र पर हला किया। इन पर पिछले शुक्रवार को इजराइल हमला कर चुका है। इस हमले के बाद यहां से समृद्ध यूरेनियम और महत्वपूर्ण संवर्धन तकनीक को स्थानांतरित कर दिया गया। भूमिगत फोर्डो परमाणु सुविधा केंद्र पर भी अमेरिका का हमला नया नहीं है। न ही परिणाम नया है। इसके पांच प्रवेश द्वार हैं। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि सिर्फ एक प्रवेश द्वार और एक निकास क्षतिग्रस्त हुआ है। फोर्डो का मुख्य सुविधा केंद्र एक पहाड़ में दर्जनों मीटर नीचे है। वह पूरी तरह सुरक्षित और बरकरार है। दूर से फोर्डो का वीडियो बनाने वाले स्थानीय निवासियों को भी कोई धुआं या आग नहीं दिखी। परमाणु सुविधा केंद्र के सबसे नजदीकी शहर कोम से मिली रिपोर्ट में पाया गया कि शहर में सामान्य कामकाज बाधित नहीं हुआ। लोग बिना किसी बाधा के अपने रोजमर्रा के काम बाहर निकलकर निपटाते रहे। यह लोग स्वीकार कर चुके हैं कि उनका देश 13 जून को इजराइल के युद्ध शुरू करने के बाद युद्ध

अमेरिका ने वीजा नियम किए सख्त, सोशल मीडिया अकाउंट सार्वजनिक करना अनिवार्य

नई दिल्ली/वॉशिंगटन/लोक प्रेरणा

अमेरिका ने सोमवार को वीजा आवेदकों के लिए नियमों को और सख्त करते हुए अब एफ, एम और जे कैटेगरी के नॉन-इमिग्रेंट वीजा के आवेदकों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की प्राइवेसी सेटिंग ह्यपब्लिकह्न करनी अनिवार्य कर दी है। यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है और इसका उद्देश्य अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को

वीजा आवेदकों की पहचान की और गहराई से जांच करने में सक्षम बनाना है। यूएस दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा है कि अब वीजा आवेदन के दौरान केवल सोशल मीडिया यूजरनेम देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उस अकाउंट की सामग्री भी सार्वजनिक रूप से दिखनी चाहिए। अमेरिका 2019 से ही सोशल मीडिया यूजरनेम मांग रहा है, लेकिन यह पहली बार है जब पब्लिक व्यू को अनिवार्य किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ने रोपा रुद्राक्ष का पौधा।

हरिद्वार तथा देहरादून की 23 फार्मा कंपनियों की कई दवाइयां गुणवत्ता जांच में फेल

हरिद्वार/लोक प्रेरणा

हरिद्वार तथा देहरादून की करीब 23 फार्मा कंपनियों द्वारा निर्मित कई दवाइयों के सैंपल जांच में फेल पाए गए हैं। इनमें 13 फार्मा कंपनियां हरिद्वार जनपद में कार्यरत हैं। केंद्र के सीडीएससीओ और राज्य लैब की जांच में सिडकुल हरिद्वार की एक नामी कंपनी की एलबेंडाजोल आईपी 400 एमजी टैबलेट का सैंपल भी फेल पाया गया है। ड्रग्स इंस्पेक्टर अनिता भारती ने सोमवार को बताया कि जिले की 13 दवा कंपनियों के सैंपल केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के जारी आंकड़ों के अनुसार गैर मानक गुणवत्ता के मिले हैं। उन्होंने बताया कि हरिद्वार तथा रुड़की में स्थित एक दर्जन से ज्यादा फार्मा कंपनियों की औषधियां, जिनमे पेन किलर, एंटीबायोटिक व सिरप सहित 20 से अधिक दवा के सैंपल जांच में गुणवत्ता पर सही नहीं पाए गए हैं। अनिता भारती का कहना है कि जांच में मानक गुणवत्ता पर खरी न उतरने वाली (ठरद) दवाओं को लेकर विधि संगत कार्रवाई की जाएगी। विभाग अब संबंधित फार्मा कंपनियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगेगा। यदि जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, तो इन कंपनियों पर लाइसेंस निलंबन और उत्पादन बंद कराने जैसी कार्रवाई भी की जा सकती है।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में श्रद्धाजंलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जनसंघ की स्थापना करने वाले 14 लोगों की पार्टी आज 14 करोड़ कार्यकर्ताओं का बना संगठन: भजनलाल

जयपुर/लोक प्रेरणा

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में श्रद्धाजंलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज का दिन केवल स्मरण का नहीं, प्रेरणा का दिन है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नारा दिया 'एक देश में दो विधान, दो निशान नहीं चलेंगे', वह कोई राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक था और भारत की आत्मा की पुकार था। उन्होंने कहा कि जनसंघ की स्थापना कर वैकल्पिक

राजनीतिक विचारधारा को जन्म देने वाली 14 लोगों की पार्टी आज 14 करोड़ कार्यकताओं का संगठन बनकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने राष्ट्रवाद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है, का नारा आज भी जीवंत है। कश्मीर से धारा 370 हटाने की उनकी प्रतिबद्धता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया। राम मंदिर निर्माण हो या अनुच्छेद 370 का समाप्त होना, यह सब उनकी दूरदर्शी सोच और बलिदान का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों के भारत को साकार करने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो संकल्प लिया गया है, उसे हम सभी को पूरा करना होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेसी नेताओं के सोशल मीडिया पर किए जा रही पोस्ट पर चुटकियां लेते हुए कहा कि कांग्रेसी नेता सिर्फ सोशल मीडिया तक सिमट कर रह गए। कांग्रेसी कहते है कि सीएम रूकते नहीं, जबकि मैं कहता हूं कि होटलों में रूकने के लिए तो कांग्रेसी ही काफी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कुछ लोग कह रहे है बिजली नहीं आ रही, मुझे बता तो दो कहा नहीं आ रही, मैं डेढ़ साल का हिसाब और आप अपना पुराना पाँच का हिसाब लेकर आ जाना बता दूँगा। मैंने डेढ़ साल में तुम्हारे पाँच सालों को पीछे छोड़ दिया है।

कांग्रेस सरकार के 5 साल में बिजली उत्पादन, घरेलु और कृषि कनेक्शन जारी करने के आंकड़ों की तुलना हमारी सरकार के 1.5 साल में किए गए कार्य से करें तो वस्तुस्थिति स्पष्ट हो जाएंगी। कांग्रेसी ट्विट करते है जबकि हमारी सरकार धरातल पर काम कर रही है। कांग्रेस ने हमेशा भेदभाव की राजनीति की और गरीबी हटाओ का नारा देकर गरीबों को लूटा, जबकि भाजपा की विचारधारा ह्यराष्ट्र प्रथमह्न की है। हमारी सरकारें गरीब, महिला, किसान और युवा के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। कांग्रेस की इसी गरीबों को लूटने वाली नीति के चलते जो पार्टी पंचायत से लेकर संसद तक थी, वह राष्ट्रवाद से हार गई। भाजपा राष्ट्र के लिए समर्पित विचारधारा की पार्टी है ह्न भाजपा समर्पित कार्यकताओं की फौज है, जो सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा रही है। हम संगठन और सेवा–दोनों क्षेत्रों में समान रूप से सक्रिय हैं।

रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट शॉर्ट्स ने राजकुमार राव और पत्रलेखा के साथ अपना नया अभियान द सिलेक्ट वन्स के लिए पेशकिया

लोक प्रेरणा

पानीपत। भारत की बेहतरीन शॉर्ट फिल्मों के लिए प्रसिद्ध मंच रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट शॉर्ट्स ने अपना नया थीम आधारित अभियान द सिलेक्ट वन्स के लिए पेशकिया है, जिसमें लोकप्रिय कलाकार राजकुमार राव और पत्रलेखा शामिल हैं। एफसीबी नियो द्वारा परिकल्पित यह अभियान उन खास लोगों को समर्पित है जो अपनी सफलता की राह में हमेशा सोच-समझकर निर्णय लेते हैं, जो उत्कृष्टता और ज्ञान की ओर निरंतर अग्रसर रहते हैं और अपने सिद्धांतों व सपनों से कभी समझौता नहीं करते।सफलता के मूल विचार से प्रेरित, यह कैंपेन फिल्म एक सांस्कृतिक और रचनात्मक प्रस्तुति है, जो इस बात की पुष्टि करती है कि रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट शॉर्ट्स ओरिजिनल, उद्देश्यपूर्ण और अलग पहचान वाली कहानियों के प्रति पूरी तरह समर्पित है।अभियान को लेकर परनोड रिकार्ड इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर कार्तिक मोहिंद्रा ने कहा, ह्लरॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट शॉर्ट्स आज एक ऐसा मंच बन चुका है जो उत्सुक और समझदार दर्शकों के लिए बेहतरीन कहानियों का समर्पित इकोसिस्टम तैयार करता है। इसने भारत में शॉर्ट फिल्मों का एक भरोसेमंद गंतव्य बनकर अपनी अलग पहचान बनाई है। हम अपने नए थीम आधारित अभियान द सिलेक्ट वन्स के लिए के जरिए इस अनोखी कहानी कहने की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं, और उन लोगों को सलाम कर रहे हैं जो अपनी अलग सोच और चुनावों से सफलता की नई मिसाल कायम करते हैं ह्लएफसीबी नियो के चीफ क्रिएटिव ऑफिसर मयुरेश दुबाशी ने कहा, ह्लयह फिल्म एक गहरी और सशक्त श्रद्धांजलि है उस कला को, जिसमें सही चुनाव करना ही पहचान बन जाता है। आज जब विकल्पों की कोई कमी नहीं है, तो हमारी असली पहचान उन फैसलों से बनती है जिन्हें हम नकारते हैं, उतनी ही जितनी उनसे जिन्हें हम स्वीकारते हैं। राजकुमार राव और पत्रलेखा के साथ इस कहानी को गढ़ना एक ऐसी आंतरिक यात्रा को दर्शाना था, जिसमें हर निर्णय एक मजबूत विरासत की नींव रखता है। यह विचार पूरी तरह से रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट शॉर्ट्स की उस सोच के साथ जुड़ता है, जो निडर सोच और परिष्कृत दृष्टिकोण वाले लोगों का सम्मान करता है।

गंगा नदी किनारे क्षेत्र के लोगों को साफ पानी देने के उद्देश्य से कार्ल्सबर्ग ग्रुप ने वॉटर .ओआरजी के साथ साझेदारी की

लोक प्रेरणा

पंचकूला। भारतमें कार्ल्सबर्ग ग्रुप ने आज वॉटर .ओआरजी के साथ एक नई साझेदारी की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य गंगा नदी किनारे के क्षेत्रों जैसे हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में लोगों को सुरक्षित पानी और स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यह सहयोग कार्ल्सबर्ग की पानी के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भावना को मजबूत करता है, जिसमें वह क्षेत्रीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए लम्बे समय तक चलने वाले और असरदार समाधानों में निवेश कर रहा है। कार्ल्सबर्ग इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर निलेश पटेल ने कहा, इस पहल के जरिए, कार्ल्सबर्ग ग्रुप और वॉटर . ओआरजी गंगा नदी किनारे क्षेत्र में 24.7 करोड़ लीटर पानी की सुविधा उपलब्ध कराएंगे, जिससे उन इलाकों के लोगों को मदद मिलेगी जहाँ सुरक्षित पानी की सबसे ज्यादा जरूरत है। यह साझेदारी मार्च 2028 तक 1,12,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित पानी या स्वच्छता की सुविधाएं देने का लक्ष्य रखती है। सिर्फ पानी उपलब्ध कराने के अलावा, यह साझेदारी लोगों में जागरूकता फैलाने का भी काम करेगी ताकि लंबे समय तक उनकी आदतों में सकारात्मक बदलाव आ सके और स्थानीय स्तर पर इसका असर दिखे।

सी .आर .आई . सोलर को 210 करोड रुपयों का मल्टी-स्टेट ऑर्डर: 6,894 सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति करेगा

लोक प्रेरणा

हिसार। सीआरआई पंप्स का एक प्रमुख प्रभाग और नवीकरणीय ऊर्जा संचालित जल समाधानों में अग्रणी, सीआरआई सोलर को हाल ही में एक बड़ा ऑर्डर मिला है। उन्हें महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी (मेडा), हरियाणा नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा), और पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (पेडा) से कुल 6,894 सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग का कार्य मिला है। इन सभी ऑर्डरों का कुल मूल्य 210 करोड़ रुपए है।ये प्रतिष्ठित ऑर्डर भारत के कृषि क्षेत्रों में टिकाऊ सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा हैं। ये साझेदारियाँ इस बात पर जोर देती हैं कि सीआरआई, केंद्र और राज्य सरकारों को नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि उत्पादकता के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।परियोजना का क्रियान्वयन संबंधित एजेंसी की समय-सीमा के अनुसार शुरू होगा। इसमें सीआरआई सोलर अपनी व्यापक विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए, बड़े पैमाने पर सोलर वाटर पंपिंग परियोजनाओं को सटीकता और गुणवत्ता आश्वासन के साथ पूरा करेगा।इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, सीआरआई ग्रुप के चेयरमैन श्री जी. सौंदराराजन ने कहा,"यह समेकित उपलब्धि भारत के ग्रामीण और कृषि परिदृश्य में स्वच्छ, विश्वसनीय और टिकाऊ जल पहुंच को सक्षम बनाने के लिए सीआरआई की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है। ये परियोजनाएं केवल अवसंरचना से कहीं अधिक हैं—ये ग्रामीण समृद्धि, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के सक्षमकर्ता हैं। जैसे-जैसे भारत अपने स्वच्छ ऊर्जा एजेंडे को बढ़ावा देना जारी रखता है, सीआरआई सोलर नवाचार और प्रभाव के साथ आगे से नेतृत्व करने के लिए तैयार है।"

श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस ने तीन नए स्पेशलिटी प्लांट न्यूट्रिशन उत्पाद लांच किए

लोक प्रेरणा

अंबाला। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस ने अपने नए स्पेशलिटी प्लांट न्यूट्रिशन उत्पादों का उद्घाटन किया है। इस अवसर पर कंपनी ने हाल ही में लॉन्च किए गए श्रीराम क्रॉप प्रोटेक्शन और सीड उत्पादों की सफलता की चर्चा की। कार्यक्रम में क्षेत्र के चैनल पार्टनर्स, 275 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर, और ऑनलाइन दर्शकों ने भाग लेकर इस उद्घाटन का अनुभव किया। कंपनी द्वारा पेश किए गए नवीनतम उत्पादों में श्रीराम एक्रायटर शामिल है, जो मक्का और गन्ने में खरपतवार नियंत्रण के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा, श्रीराम टोग्यो मोटा के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक विशेष समाधान है, जबकि श्रीराम वेरलस्ट फंगल रोगों और कीटों से सुरक्षा प्रदान करता है। हाइब्रिड बीजों के साथ-साथ सब्जियों की श्रेणी में श्रीराम 2372 टमाटर और श्रीराम 2112 भिंडी को भी शामिल किया गया है, जो किसानों के लिए फायदेमंद सिद्ध हो रहे हैं।

कार्यकारी निदेशक संजय छाबड़ा ने कहा, "हम कृषि नवाचार की सीमाओं को पार करने के लिए तत्पर हैं।" दो आधुनिक तरल उर्वरक ह्न श्रीराम पिकासोल और श्रीराम मैग्निका पेश किए गए हैं, जो बायोएक्टिव टाइटेनियम का उपयोग करते हैं। ये उत्पाद फसलों की गुणवत्ता और उच्चतम मूल्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कंपनी ने पिछले वर्ष लॉन्च किए गए कीटनाशकों श्रीराम क्रोन और श्रीराम ट्रेक्स्टर की सकारात्मक प्रतिक्रिया भी साझा की, जिससे किसानों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

SURTAJ और MCKS के सहयोग से विशेष बच्चों के माता-पिता के लिए प्राणिक हीलिंग कार्यशाला का आयोजन

संस्थापक की हीलिंग यात्रा बनी प्रेरणा

जतिन/राजा

नई दिल्ली

यह विशेष कार्यशाला महान गुरु चोआ कोक सूई की शिक्षाओं पर आधारित थी और इसे विशेष रूप से विशेष बच्चों के माता-पिता के लिए तैयार किया गया था, ताकि वे अपने मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक स्तर पर सशक्त हो सकें। प्राणिक हीलिंग ट्रेनर रजलक्शी ने दोनों दिन गहन और प्रभावशाली सत्र लिए। उनके सरल, करुणामय प्रशिक्षण और व्यावहारिक तकनीकों ने सभी प्रतिभागियों को ऊजार्वान, सकारात्मक और आशान्वित कर दिया। माता-पिता ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि अब वे अपनी हीलिंग यात्रा की शुरूआत करने के लिए तैयार हैं, जिससे उनका और उनके बच्चों का जीवन बदल सके।

टउडर योग विद्या प्राणिक हीलिंग ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी श्री वरुण जैन ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि प्राणिक हीलिंग

आत्मा के स्तर पर कार्य करती है, जो न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और भावनात्मक पीड़ाओं को भी दूर करने में सहायता करती है।

इस आयोजन की विशेष बात रही SURTAJ फाउंडेशन की संस्थापक और स्वयं एक प्राणिक हीलर, नरिंदर कौर की प्रेरणादायक व्यक्तिगत यात्रा। एक विशेष बच्चे की सिंगल मदर होने के नाते उन्होंने बताया कि कैसे प्राणिक ऊर्जा ने उन्हें जीवन में नई दिशा दी। उन्होंने कहा, जब मैं अंदर से ठीक होने लगी, तो मेरा बच्चा भी बदलने लगा। यह केवल बच्चे को नहीं, पूरे परिवार को हील करने की प्रक्रिया है।

कार्यशाला में निम्नलिखित विषयों पर सत्र आयोजित किए गए: ट्विन हार्ट्स मेडिटेशन,ऊर्जा शुद्धिकरण की तकनीकें,चरित्र निर्माण और आत्म-शक्ति विकास,

भावनात्मक संतुलन और आंतरिक शांति,दैनिक जीवन में स्वयं को हील करने के उपाय।रवफळअख और MCKS ट्रस्ट का यह सहयोग, विशेष जरूरतों वाले बच्चों के परिवारों के लिए उम्मीद, आत्मबल और आध्यात्मिक सशक्तिकरण की एक नई शुरूआत है।

जियो इन्फॉर्मेटिक्स और ड्रोन टेक्नोलॉजी में करियर बनाने का सुनहरा अवसर: प्रो. दीप्ति धमार्नी

नियमित डिग्री कार्यक्रम के साथ-साथ सप्ताहांत व्यावसायिक प्रशिक्षण में भी प्रवेश ले सकते है छात्र

लोक प्रेरणा

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया जारी है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय में उपलब्ध भूगोल विभाग के अंतर्गत अध्ययन के इच्छुक विद्यार्थियों को एमएससी ज्योग्राफी व जियो इंफॉर्मेटिक्स, पीजी डिप्लोमा इन ड्रोन टेक्नोलॉजी में दाखिले का सुनहरा अवसर उपलब्ध करा रहा है। विभाग में इन कोर्स में दाखिले के लिए क्रमशः 50, 40 और 30 सीटें उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रोफेसर दीप्ति धमार्नी के दूरदर्शी नेतृत्व में युवाओं को रोजगार मुखी और उद्योग संगत तकनीकी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक अभिनव पहल कर रहा है। विभाग द्वारा भौगोलिक सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि (कार्य दिवस सोमवार से शुक्रवार) तथा ड्रोन प्रयोग में कौशल आधारित स्नातकोतर डिप्लोमा (शनिवार एवं रविवार) प्रारंभ किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों का संचालन राजधानी

दिल्ली प्रतिष्ठित एनआईजीएमटी फाउंडेशन खेत तकनीकी एवं औद्योगिक सहयोग से किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, छात्र अब सप्ताहांत व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ-साथ नियमित डिग्री कार्यक्रम भी कर सकते हैं, जिससे शैक्षणिक योग्यता और तकनीकी कौशल का संतुलित विकास हो सके। इन कार्यक्रमों में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, रिमोट सेंसिंग, उपग्रह-आधारित सर्वेक्षण, स्थानिक विश्लेषण, स्मार्ट सिटी नियोजन, पर्यावरण प्रबंधन, कृषि निगरानी और आपदा प्रबंधन जैसे उन्नत विषय शामिल होंगे। इस पहल का उद्देश्य न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करना है, बल्कि छात्रों को स्टार्टअप शुरू करने और भू-स्थानिक क्षेत्र में स्वरोजगार करने के लिए सशक्त बनाना भी है। ड्रोन तकनीक और भू-स्थानिक विज्ञान में एकीकृत प्रशिक्षण रक्षा, कृषि, शहरी नियोजन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और आपदा प्रतिक्रिया जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कैरियर की संभावनाओं को खोलता है। छात्रों को लाइव परियोजनाओं, उद्योग-एकीकृत प्रशिक्षण, विशेषज्ञ व्याख्यान और खुले शैक्षिक संसाधनों के साथ-साथ सुनिश्चित प्लेसमेंट सहायता के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। यह कार्यक्रम हरियाणा राज्य में तकनीकी और कौशल आधारित उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम बनने के लिए तैयार है। भूगोल विभाग के इंचार्ज डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विभाग के अंतर्गत अध्ययन के लिए आने वाले विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित लैब, स्मार्ट क्लास रूम, विद्यार्थियों के औद्योगिक ट्रेनिंग, भौतिक सर्वेक्षण के लिए भारत के विभिन्न स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है। इसके साथ विश्वविद्यालय में समय-समय पर विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान, सेमिनार व कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इन कोर्स के बाद निजी क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। इस कोर्स को करने के पश्चात विद्यार्थी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में अपना भविष्य बना सकते है। इस पाठ्यक्रम हेतु ऑनलाइन आवेदन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 26 जून 2025 तक कर सकते है।

एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल दिल्ली ने करनाल में किडनी के मरीजों के लिए विशेष ओपीडी शुरू की

लोक प्रेरणा

करनाल। दिल्ली-स्थित एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल ने करनाल में ग्लोबल क्रैडल हॉस्पिटल के सहयोग से एक विशेष ओपीडी की शुरूआत की। इस ओपीडी में मशहूर नेफ्रोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ, डॉ. सुमन लता, एचओडी, एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल नई दिल्ली मरीजों को परामर्श प्रदान करेंगी। यह ओपीडी हर महीने के तीसरे शनिवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक चलेगी। इस ओपीडी के जरिए किडनी रोगियों को समय पर इलाज और बेहतर सलाह मिल सकेगी।डॉ. सुमन लता, एचओडी, नेफ्रोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट, एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल, दिल्ली ने कहा, क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) भारत में एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। यह बीमारी आमतौर पर अनियंत्रित डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं के कारण होती है। हर साल भारत में किडनी फेलियर के 2 लाख से ज्यादा नए मरीज सामने आते हैं। अगर किडनी फेलियर एडवांस स्टेज में पहुँच जाए, तो किडनी ट्रांसप्लांट सबसे बेहतर और लंबी अवधि का इलाज है। कुछ समय पहले करनाल के एक मरीज, रजत का सफल किडनी ट्रांसप्लांट हुआ, जिसमें उनकी माँ ने डोनर के रूप में किडनी दी। आज रजत स्वस्थ हैं, सामान्य जीवन जी रहे हैं और दोबारा काम पर लौट चुके हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं जो बताते हैं कि समय पर इलाज से मरीजों का जीवन कितना बेहतर हो सकता है। इस ओपीडी के जरिए हम मरीजों को सही समय पर इलाज देना और किडनी ट्रांसप्लांट जैसे बेहतर इलाज के विकल्पों के प्रति जागरूक करना चाहते हैं।ह्वडॉ. नितिन बंसल, हॉस्पिटल डायरेक्टर, ग्लोबल क्रैडल हॉस्पिटल, करनाल ने कहा, अक्सर मरीज जागरूकता की कमी या देर से डायग्नोसिस होने के कारण समय पर इलाज नहीं करा पाते। मणिपाल हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ मिलकर अब करनाल में भी उच्च गुणवत्ता वाली किडनी केयर उपलब्ध होगी। यह हमारे शहर और आसपास के क्षेत्रों में आधुनिक किडनी इलाज की दिशा में एक बड़ा कदम है।ह्वकरनाल में नियमित ओपीडी के साथ एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल, दिल्ली का उद्देश्य है कि लोगों को समय रहते जांच और इलाज के प्रति जागरूक किया जाए ताकि वे स्वस्थ जीवन जी सकें। हम किडनी ट्रांसप्लांट जैसे प्रभावशाली इलाज के विकल्पों की जागरुकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि मरीजों के जीवन में सुधार लाया जा सके।

पीड़ित परिवार को मिलने वाली आर्थिक सहायता जल्द से जल्द दिलवाई जाए: एसडीएम मनोज दलाल

-एसडीएम की अध्यक्षता में उपमंडल स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित

लोक प्रेरणा

लोहारू। एसडीएम मनोज दलाल की अध्यक्षता में सोमवार को एसडीएम कार्यालय में उपमंडल स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम मनोज दलाल ने कल्याण विभाग को निर्देश दिए कि वे अनुसूचित जाति व जनजाति पर अत्याचार से संबंधित मामलों में पीड़ित व्यक्ति को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में एसडीएम ने एजेंडा के तहत रखे गए विचाराधीन मामलों पर सुनवाई कर जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों व कमेटी सदस्यों के साथ गहनता से विचार विमर्श किया। एसडीएम मनोज दलाल ने उपमंडल स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी कमेटी की बैठक में एससी, एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों पर चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि विचाराधीन केसों के जल्द से जल्द निपटान किया जाए। एसडीएम ने एक फरवरी से 30 अप्रैल 2025 तक एससी, एसटी एक्ट के तहत दो दर्ज मामलों की समीक्षा की। इनके पीड़ितों को विभाग द्वारा राहत राशि प्रदान कर दी गई है।

एसडीएम ने कहा कि पीड़ित व्यक्तियों को नियमों व अत्याचार अधिनियम के तहत उनकी सहायता करने में संबंधित विभाग के अधिकारी देरी ना करें। इसके लिए अधिकारी आपस में घनिष्ठ तालमेल स्थापित कर कार्य करें।

इस अधिनियम के अधीन गैर अनुसूचित जाति के व्यक्तियों द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियों पर अत्याचार किये जाने के फलस्वरूप आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि विभिन्न प्रकार के अत्याचारों जैसे मारपीट, छेड़छाड़, गाली गलोच, बलात्कार तथा हत्या आदि के घटित होने पर प्रदान की जाती है।

350 करोड़ रुपये बीमा घोटाले के विरोध में किसान महापंचायत का आयोजन, घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की मांग

-न्याय नहीं मिलने पर लोहारू में किसान महापंचायत करके सरकार के खिलाफ किया आर-पार की लड़ाई का फैसला

लोक प्रेरणा

लोहारू। सोमवार को अखिल भारतीय किसान सभा व संयुक्त किसान मोर्चा के आान पर खरीफ फसल 2023 के कथित 350 करोड़ रुपये बीमा घोटाले व अन्य 14 सूत्रीय मांगों को लेकर स्थानीय अनाज मंडी में किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल, जगदीश बारवास, मुकेश नंबरदार कासनी कला, उमेद सिंह फरटिया ने संयुक्त रूप से की व मंच संचालन किसान सभा के जिला सचिव मास्टर जग रोशन रोढ़ा व जिला सह सचिव कविता आर्य ने किया। महापंचायत के बाद शहर में प्रदर्शन किया और लघु सचिवालय पहुंचकर एसडीएम मनोज दलाल के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। महापंचायत में किसान नेता व भादरा के पूर्व विधायक कामरेड बलवान सिंह पूनिया व किसान सभा के राज्य प्रधान मास्टर बलबीर सिंह ने कहा कि वर्ष 2023 की खरीफ फसल में क्षेमा फसल बीमा कंपनी ने कपास में आई बीमारी के एवज में किसानों को हुए 450 करोड़ रुपये का बीमा क्लेम का भुगतान नहीं किया। भिवानी दादरी के किसानों के साथ 350 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करके उसने घोटाले को अंजाम देकर किसानों के साथ विश्वासघात किया है। कंपनी की इस करतूत को किसान कभी माफ नहीं करेंगे और अपने हक हकूक की लड़ाई के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि उक्त बीमा कंपनी ने कृषि कल्याण विभाग के डायरेक्टर व ज्वाइंट डायरेक्टर के साथ मिलकर इस घोटाले को अमलीजामा पहनाया है और इसमें सरकार के लोगों का हाथ होने से भी इंकार नहीं किया जा सकता। इसलिए इस घोटाले की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच हो, दोषियों को कड़ी सजा मिले व किसानों को ब्याज सहित बकाया बीमा क्लेम 350 करोड़ रुपये मिले। उन्होंने भिवानी जिले के किसानों को 2022-23 का 308 करोड़ रुपये व दादरी जिले के 167 करोड़ रुपये बकाया मुआवजा का भुगतान करने की मांग की। किसान नेताओं ने किसानों की अन्य मांगों नया प्रस्तावित मंडी कानून प्रारूप 2024 वापिस लेने, बिजती निजिकरण प्रस्ताव रद्द करने, एमएसपी की संवैधानिक गारंटी देने, स्मार्ट मीटर योजना रद्द करने, बकाया ट्यूबवेल कनेक्शन जारी करने, गांव में पीने का पानी व नहरी पानी की व्यवस्था करने, प्रस्तावित बिजली टावरों व तेल पाईप लाईन के लिए किसानों को न्यायोचित मुआवजा देने, केसीसी पर केंद्र सरकार द्वारा दो वर्ष की ब्याज सब्सिडी जारी करने, पर्याप्त मात्रा में डीएपी, यूरिया खाद उपलब्ध कराने, नकली खाद, बीज व दवाइयों पर रोक लगाने, देह शामलात जुमला मुश्तरका, पट्टी खाता के तहत जमीन किसानों को देने, एनसीआर में शामिल क्षेत्रों में पेट्रोल डीजल वाहनों की समय सीमा हटाने व जली हुई फसलों का वाजिब मुआवजा देने की मांग उठाई गई। महापंचायत में 9 जुलाई की राष्ट्रव्यापी प्रस्तावित औद्योगिक हड़ताल को सफल बनाने, किसानों द्वारा समर्थन करने व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों पर बर्बरता से लाठीचार्ज की निंदा व उप कुलपति को हटाने तथा दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर प्रस्ताव पास किए गए।

किसान नेताओं ने आगामी आंदोलन की घोषणा करते हुए कहा कि एक जुलाई को दोनों जिलों के विधायकों व सांसदों को ज्ञापन दिए जाएंगे व शीघ्र 15 जुलाई को लोहारू सचिवालय पर अनिश्चितकालीन पड़ाव डाला जाएगा। जब तक राज्य सरकार बीमा भ्रष्टाचार को लेकर कार्यवाही नहीं करती, तब तक लोहारू सचिवालय पर 24 घंटे अनिश्चितकाल किसान पड़ाव रहेगा। महापंचायत में किसान सभा के उप प्रधान कामरेड ओमप्रकाश, दयानंद पूनिया, जिला कोषाध्यक्ष मा. उमराव सिंह, जिला सह सचिव डा. बलबीर ठाकन, अशोक आर्य, भारतीय किसान यूनियन युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद, अंतर कस्वा, कर्मबीर फरटिया, राजस्थान से छात्र नेता अजीत पूनिया, जितेंद्र पूनिया, धर्मपाल बारवास, मास्टर शेर सिंह, कर्ण सिंह जैनावास, सूबेदार धनपत, मन्दरूप यादव, रामोतार बलियाली, प्रताप सिंह, कैरू से छोटूराम पुनिया, रामकिशन भाकर सहित अन्य किसान नेताओं ने विचार रखे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कमला नगर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में बनीं सहभागी

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रविवार से अलग-अलग क्षेत्रों में भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का सिलसिला शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु हिस्सा ले रहे हैं। इसी कड़ी में कमला नगर में गीता भवन और पंचायती भवन की ओर से रथ यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी हिस्स लिया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भगवान श्रीजगन्नाथ,भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा के चरणों में नमन करते हुए कहा, इस रथ यात्रा में सहभागी बनकर उन्हें अद्भुत शांति, ऊर्जा और आनंद की अनुभूति हुई है। उन्होंने कहा कि रथ खींचना केवल

एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह प्रभु की सेवा और समाज कल्याण का दिव्य माध्यम है, जो हमें आत्मिक शुद्धता और सच्चे कर्तव्य पथ की ओर अग्रसर करता है।

रेखा गुप्ता ने रथ यात्रा को भारत की सांस्कृतिक एकता, सामाजिक समरसता और सनातन परंपराओं की अद्वितीय शक्ति का प्रतीक बताया।

आगामी शुक्रवार को त्यागराज नगर, हौज खास और द्वारका स्थित मंदिरों की ओर से भी भव्य रथ यात्राएं निकाली जाएंगी। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। लिहाजा राजधानी में श्रीजगन्नाथ की भक्ति और परंपरा का यह उत्सव हर वर्ष और अधिक व्यापक रूप ले रहा है।

हरियाणा में सामाजिक-आर्थिक बदलाव को गति दे रहा है फ्लिपकार्ट

लोक प्रेरणा

रोहतक। उद्योग, कृषि एवं उद्यमशीलता में समृद्ध हरियाणा भारत के आर्थिक एवं लॉजिस्टिक्स परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। फ्लिपकार्ट हरियाणा के लोगों एवं संस्थानों के साथ मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां इनोवेशन, अवसर एवं सकारात्मक प्रभाव सुनिश्चित किया जा सके। फ्लिपकार्ट ने स्थानीय सेलर्स एवं एमएसएमई को सशक्त करते हुए, आजीविका के अवसर सृजित करते हुए और डिजिटल एवं फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार को गति देते हुए राज्य के विकास में योगदान दिया है। हरियाणा में फ्लिपकार्ट का प्रभाव मुख्यतः एमएसएमई सेक्टर को इसकी ओर से दिए जाने वाले समर्थन पर आधारित है। राज्य में 2.6 लाख से अधिक सेलर फ्लिपकार्ट के प्लेटफॉर्म का लाभ उठा रहे हैं। फ्लिपकार्ट ने इनके लिए पूरे देश का बाजार खोल दिया है और उन्हें अपने कारोबार को विस्तार देने में सक्षम बना रहा है। इस मजबूत नेटवर्क से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 1.35 लाख से ज्यादा रोजगार सृजित हुए हैं। हरियाणा के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता के तहत फ्लिपकार्ट ने यहां मजबूत लॉजिस्टिक्स एवं फुलफिलमेंट नेटवर्क स्थापित किया है, जिससे लॉजिस्टिक्स ऑपरेशंस के लिए हब के रूप में राज्य की स्थिति मजबूत हुई है। इसमें फरुखनगर, रेवाड़ी, बल्लभगढ़, सांकपा व अन्य स्थानों पर कुल 51 लाख वर्ग फीट से अधिक क्षेत्र में बने 13 फुलफिलमेंट सेंटर शामिल हैं। इनसे स्थानीय सशक्तीकरण एवं अंतिम छोर तक सुगम डिलीवरी को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूती मिली है।

स्थानीय कला एवं कृषि को विस्तार देने के प्रयास के तहत फ्लिपकार्ट ने हरियाणा खादी एम्पोरियम के साथ भी साझेदारी की है। इस साझेदारी के माध्यम से पारंपरिक हथकरघा एवं शिल्प को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही कृषि उत्पादों की लिस्टिंग को सुगम बनाने के लिए हैफेड के साथ साझेदारी की गई है। इनके अतिरिक्त, फ्लिपकार्ट फोकस्ड कम्युनिटी इनीशिएटिव्स के माध्यम से हरियाणा में सामाजिक समावेश एवं समुदायों के सशक्तीकरण को भी बढ़ावा दे रहा है। 2022 में गिव फाउंडेशन एवं दीपालय फाउंडेशन के साथ साझेदारी में वंचित वर्ग की महिलाओं को हर्बल साबुन बनाने का प्रशिक्षण देते हुए सतत आजीविका को बढ़ावा दिया गया था। कार्यस्थल पर समावेश और दिव्यांगों के लिए रोजगार के अवसर को बढ़ावा देने के लिए 2023 में कंपनी ने ट्रस्ट फॉर रिटेलर्स एंड रिटेल एसोसिएट्स ऑफ इंडिया के साथ मिलकर हैशटैग पंख विंग्स ऑफ डेस्टिनी लॉन्च किया था।

अमेरिकी बमबारी अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन : ईरानी परमाणु एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान के 'एटॉमिक एनर्जी ऑर्गेनाइजेशन' ने कहा है कि उसकी न्यूक्लियर साइट्स पर हमले 'अंतरराष्ट्रीय कानून' का उल्लंघन है। हालांकि, ऑर्गेनाइजेशन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इन हमलों से कितना नुकसान हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के फोर्डो, एस्फाहान और नतांज परमाणु स्थलों पर हमले किए। यह हमला रविवार सुबह 4.30 बजे (भारतीय समय के अनुसार) हुआ।

ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह अपने 'नेशनल इंडस्ट्री' के काम को नहीं रोकेगा, जो देश के न्यूक्लियर डेवलपमेंट के लिए बेहद जरूरी है।

तेहरान की एजेंसी ने कहा कि उसकी न्यूक्लियर साइट्स पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं।

ईरान की परमाणु एजेंसी ने बयान में कहा, "ईरान का एटॉमिक एनर्जी ऑर्गेनाइजेशन ईरान को आश्वस्त करता है कि अपने दुश्मनों की साजिशों के बावजूद, अपने हजारों क्रांतिकारी और वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की कोशिशों से, वह इस नेशनल इंडस्ट्री के डेवलपमेंट को नहीं रोकेगा। जो न्यूक्लियर कार्यक्रम में शहादत देने वालों का परिणाम है।"

ईरान पर एयर स्ट्राइक के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिकी सेना ने ईरान के फोर्डो, एस्फाहान और नतांज परमाणु स्थलों पर हमले किए हैं।

ट्रंप ने सोशल प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ' पर लिखा, "हमने ईरान में तीन न्यूक्लियर साइट्स–फोर्डो, नतांज और एस्फाहान, पर अपना बहुत सफल हमला पूरा कर लिया है। सभी प्लेन अब ईरान के एयर स्पेस से बाहर हैं। हमारे महान अमेरिकी योद्धाओं को बधाई। दुनिया में कोई और सेना नहीं, जो ऐसा कर सकती थी। अब शांति का समय है!"

इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यह अमेरिका, इजरायल और दुनिया के लिए एक ऐतिहासिक मौका है। ईरान को यह संघर्ष खत्म करने के लिए सहमत होना चाहिए।

इससे पहले, शुक्रवार को ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने ईरान को अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम पर बातचीत के लिए ज्यादा से ज्यादा दो हफ्ते का समय दिया है।

13 जून को, इजरायल ने ईरान पर हवाई हमले शुरू किए थे, जिसमें कई बुनियादी ढांचे नष्ट हुए। इसके साथ ही दर्जनों ईरानी सैन्य कमांडरों और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई। इसके जवाब में, ईरान ने इजरायल के कई स्थानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

गौ सेवा के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहा श्री श्याम गौ सेवा धामः मनीराम गोयल

-सतनाली निवासी 13 वर्षीय आयुष गोयल ने श्री श्याम गौ सेवा धाम सतनाली में गायों के लिए केक काटकर मनाया जन्मदिन

अमित वालिया, सतनाली

लोग अब विशेष अवसरों जैसे वैवाहिक वर्षगांठ, जन्मदिन, पुण्यतिथी जैसे अवसरों पर फिजूलखर्ची के प्रति जागरूक होने लगे है तथा इसे रोकने के लिए व पैसे के सदुपयोग के साथ पुण्य कमाने के लिए धार्मिक अनुष्ठानों तथा गोवंश के लिए भोजन व चारे की व्यवस्था के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए निस्वार्थ भाव से आगे आ रहे है। ऐसा ही कुछ देखने को मिला सतनाली कस्बे के श्री श्याम गौ सेवा धाम में।

कस्बा स्थित श्री श्याम गौ सेवा धाम में मनीराम गोयल ने अपने पौत्र आयुष गोयल का 13वां जन्मदिन गौ वंश के लिए लगभग 3 क्विंटल का केक काटकर हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया। इस दौरान आयुष गोयल ने अपने दादा मनीराम गोयल तथा पिता आकाश कुमार व माता सोनू कुमारी के साथ श्री श्याम गौ सेवा

धाम में गौ सेवा भी की तथा गौ वंश को केक खिलाया। इस दौरान उन्होंने बताया कि हमें गौ माता की सेवा करनी चाहिए एवं इस तरह के कार्यक्रम हमें गौशाला में मनाने चाहिए।

मनीराम गोयल ने भी गौ माता की सेवा करने, पुण्य अर्जित करने एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लिए सभी को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि श्री श्याम गौ सेवा धाम गौ सेवा के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहा है। श्री श्याम गौ सेवा धाम के प्रधान तनुज कुमार ने बताया कि श्री श्याम गौ सेवा धाम निस्वार्थ भाव से गौ सेवा के लिए गोवंश के संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्य कर रही है तथा यहां बेसहारा व शारीरिक रूप से अशक्त गौवंश सहित अन्य पशुओं को न केवल उपचार प्रदान किया जाता है बल्कि उनकी निस्वार्थ भाव से सेवा भी की जा रही है। विशेष अवसरों व कस्बे व क्षेत्र के लोग यहां पुण्य अर्जित करने के लिए गोवंश के लिए सवामणी भी लगाते है तथा गौवंश के साथ ही अपने विशेष अवसर मनाकर गौ सेवा करने के लिए आगे आ रहे है। श्री श्याम गौ सेवा धाम क्षेत्र में गौ सेवा के प्रति समर्पित है तथा क्षेत्र वासी भी इसके संचालन में हर संभव सहयोग कर रहे है। इस अवसर गौ सेवा धाम प्रधान तनुज, मनीराम गोयल, बिमला देवी, आकाश कुमार, सोनू कुमारी, सुनील लांबा एवं समस्त श्री श्याम गौ सेवक उपस्थित रहे।

आईटीआई में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि 20 से बढ़ाकर की गई 27 जून: कुलदीप सिंह

लोक प्रेरणा

सतनाली। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा राज्य में स्थित सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न इंजीनियरिंग और गैर इंजीनियरिंग व्यवसायों में दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन विभागीय वेबसाइट पर 27 जून 2025 तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि 20 से बढ़ाकर

की 27 जून की गई है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सतनाली के प्रधानाचार्य कुलदीप सिंहने बताया कि दाखिला से सम्बन्धित दिशा-निदेर्शों के लिए विवरण पत्रिका, संस्थानों की सूची एवं दाखिले के लिये उपलब्ध संस्थानवर सीटों बारे सूचना विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विभिन्न दाखिला चरणों हेतु मेरिट एवं सीट अलॉटमेंट जारी होने के पूर्ण कार्यक्रम बारे सूचना दाखिला वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रार्थियों से अनुरोध है कि वे दाखिला वेबसाइट का नियमित अवलोकन करते रहे। प्रार्थियों को शैक्षणिक योग्यता, आरक्षण एवं स्थाई निवासी इत्यादि मूल-प्रमाण पत्रों की स्कैनड प्रतियां दाखिला फार्म के साथ ही आवश्यकतानुसार अपलोड करनी होगी। उन्होंने बताया कि दाखिले के इच्छुक प्रार्थियों के पास निजी ई-मेल आईडी, निजी मोबाईल नम्बर, परिवार पहचान पत्र एवं आधार नम्बर होना अनिवार्य है तथा ऐसे प्रार्थी ही आवेदन के पात्र होंगे। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सतनाली के प्रधानाचार्य कुलदीप सिंह ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सतनाली में वायरमैन, टर्नर, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर ट्रेड की 20-20 सीट तथा रेफ्रिजरेटर व एसी, पलंबर, वुड वर्क टेक्नीशियन, स्टेनो हिंदी की 24-24 सीट पर दाखिले के लिए अपना नाम रजिस्ट्रेशन करवाए जा सकते है। उन्होंने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सतनाली में भी इन ट्रेडों के लिए आवेदन फॉर्म 27 जून 2025 तक ऑनलाइन भरे जाएंगे।

पर्यावरण संरक्षण के रूप में मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके नाम से किए 101 पौधे रोपित

लोक प्रेरणा

लोहारू। भारतीय जनसंघ के संस्थापक प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस को भारतीय जनता पार्टी ने पर्यावरण संरक्षण के रूप में मना कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर लोहारू मंडल अध्यक्ष रोहताश चौहान की अध्यक्षता में लोहारू में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करते हुए उनके नाम से 101 पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के संयोजक रामकिशन शर्मा टिकेवाला रहे। इस मौके पर लोहारू मंडल अध्यक्ष रोहताश

चौहान, वरिष्ठ भाजपा नेता विजय शेखावत व लोहारू नगर पालिका चेयरमैन प्रदीप तायल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उनके बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, और हर पौधा भविष्य को संजीवनी देता है।

कार्यक्रम के अंत में जल संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली जैसे विषयों पर लघु विचार गोष्ठी भी आयोजित की गई, जिसमें वक्ताओं ने पर्यावरण जागरूकता के लिए आमजन को प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर मंडल महामंत्री विपिन सैनी, पूर्व नगर पालिका चेयरमैन दौलतराम, बलवान जांगड़ा, राजकुमार सरपंच, पार्षद रवि केडिया, अशोक सैनी, संतलाल, मनोज कुमार, जयसिंह, सोमबीर मील, रोहताश लांबा, अमित मोरवाल सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इजरायली राजदूत ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के ईरान के समर्थन में लिखे गए लेख पर रविवार को कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को क्षेत्रीय हालात की सही जानकारी होनी चाहिए।

राजदूत अजार ने कहा, ह्लहमें यह देखकर निराशा हुई कि जिस व्यक्ति का आपने जिक्र किया, उन्होंने 7 अक्टूबर (2023) के हमलों की उस तरह निंदा नहीं की, जैसी की जानी चाहिए थी। ईरान द्वारा पिछले तीन दशकों से की जा रही आक्रामकता को नजरअंदाज करना पूरी तरह अस्वीकार्य है।ह्व

उन्होंने स्पष्ट किया कि विचारों की स्वतंत्रता सभी को है, लेकिन नेताओं को तथ्यों और वास्तविकता के आधार पर बयान देना चाहिए।

इजरायली राजदूत ने कहा, ह्लयह स्पष्ट है कि इस पूरे घटनाक्रम में ईरान ही आक्रामक पक्ष रहा है। इजरायल को उस समय कार्रवाई करनी पड़ी, जब ईरान हमारे देश को नष्ट करने के हथियार हासिल करने की कगार पर था।

राजदूत ने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि इजरायल और अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को निशाना बनाने के लिए थी, जो क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा बनते जा रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईरान के राष्ट्रपति से बातचीत कर तनाव कम करने और कूटनीति के रास्ते समाधान की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए अजार ने कहा, ह्लअगर ईरान अन्य देशों को समाप्त करने की कोशिश छोड़ दे, अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम खत्म कर दे और क्षेत्रीय आक्रामकता से पीछे हटे, तो कूटनीति के लिए अवश्य विकल्प है। हम चाहते हैं कि ईरान जिम्मेदार रुख अपनाए जिससे शांति और स्थिरता की बहाली हो सके।ह्व

अमेरिका ने भारतीय समय के अनुसार, रविवार तड़के ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों - फोर्डो, इस्फहान और नतांज पर हमला कर उन्हें गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

यात्री को गलत टिकट देने के लिए उपभोक्ता आयोग ने स्पाइसजेट को दिया 25,000 रुपए का मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली। उपभोक्ता आयोग ने एक वरिष्ठ नागरिकों को गलत टिकट जारी करने के लिए स्पाइसजेट को 25,000 रुपए का मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

मुंबई (उपनगरीय) में जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने माना कि गलत टिकट जारी होने के कारण वरिष्ठ नागरिक को मानसिक तनाव और वित्तीय नुकसान हुआ है, इस कारण एयरलाइन उन्हें उचित मुआवजा दे।

दरअसल, यह घटना दिसंबर 2020 में हुई थी, जब घाटकोपर के वरिष्ठ नागरिक ने स्पाइसजेट से मुंबई से दरभंगा के लिए राउंड-ट्रिप टिकट बुक किया था। हालांकि, उनकी शुरू की यात्रा योजना के अनुसार हुई, लेकिन खराब मौसम के कारण वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई।

यात्री ने एयरलाइन को बताया कि उसे 8 दिसंबर को मुंबई में पीएचडी ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होना था, ऐसे में स्थिति की गंभीरता को देखते हुए। एयरलाइन ने पटना और कोलकाता होते हुए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की।

लेकिन यह रिप्लेसमेंट बुकिंग अव्यवस्थित निकली। कोलकाता से मुंबई के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट यात्री के पटना से कोलकाता पहुंचने से पहले ही रवाना होने वाली थी।

इस गलती के कारण वह पटना में फंस गए, जिससे उसे अपने पैसे से अगले दिन के लिए एक नया टिकट खरीदना पड़ा। नतीजतन, उन्हें अपना जरूरी ऑनलाइन एग्जाम भी छोड़ना पड़ा।

बाद में वरिष्ठ नागरिक ने एयरलाइन पर लापरवाही और सेवा में कमी का आरोप लगाते हुए उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने मानसिक पीड़ा के लिए 2 लाख रुपए और कानूनी खर्च के लिए 25,000 रुपए के साथ 14,577 रुपए की वापसी की मांग की।

स्पाइसजेट ने जवाब में कहा कि खराब मौसम के कारण उड़ान रद्द कर दी गई थी, जो उनके नियंत्रण से बाहर था और उन्होंने बुकिंग एजेंट के माध्यम से टिकट का किराया वापस कर दिया था।

उन्होंने यह भी कहा कि यात्री को वैकल्पिक उड़ान टिकट मुफ्त जारी किया था।

उपभोक्ता आयोग ने स्वीकार किया कि उड़ान रद्द करना एयरलाइन की गलती नहीं थी, साथ ही कहा कि गलत टिकट जारी करना स्पष्ट रूप से लापरवाही थी।

आयोग ने टिप्पणी की कि जारी करने के समय टिकट की सावधानीपूर्वक जांच करके यात्री को आगे की परेशानी से बचाया सकता था। इस कारण आयोग ने यह निष्कर्ष निकाला कि अनावश्यक तनाव और असुविधा पैदा करने के लिए एयरलाइन दोषी थी।

17 जून को पारित अपने अंतिम आदेश में आयोग ने स्पाइसजेट को मानसिक पीड़ा के लिए 25,000 रुपए का मुआवजा और मुकदमे के खर्च के लिए 5,000 रुपए देने का निर्देश दिया।

डीजीसीए ने एयर इंडिया क्रैश के बाद जारी किया नया सेफ्टी ऑडिट फ्रेमवर्क

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। नागर विमानन निदेशालय (डीजीसीए) ने रविवार को भारतीय एविएशन सेक्टर की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए नया कॉम्प्रिहेंसिव स्पेशल ऑडिट फ्रेमवर्क जारी किया।

यह ऑडिट गुजरात के अहमदाबाद में हाल ही में हुई एयर इंडिया दुर्घटना के बाद विमानन सुरक्षा मानकों की बढ़ती जांच के बीच लॉन्च किया गया है और इसका उद्देश्य डेटा-संचालित, जोखिम-आधारित और वैश्विक रूप से संरेखित दृष्टिकोण के माध्यम से देश के एविएशन सेफ्टी सिस्टम में सुधार करना है। इस ऑडिट में एविएशन सेक्टर की विभिन्न इकाइयों को शामिल किया गया, जिनमें शेड्यूल और नॉन-शेड्यूल एयरलाइंस, रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) संगठन, उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ), एयर नेविगेशन सर्विस प्रोवाइडर्स (एएनएसपी) और ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसियां ??(जीएचए) आदि शामिल हैं।

इस सेफ्टी ऑडिट फ्रेमवर्क के प्राइमरी फोकस क्षेत्रों में सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस), परिचालन दक्षता, नियामक ढांचे का पालन, और चालक दल और संसाधन प्रबंधन प्रोटोकॉल शामिल हैं।

यह ऑडिट वरिष्ठ डीजीसीए अधिकारियों के नेतृत्व में बहु-विषयक टीमों द्वारा किए जाएंगे और फ्लाइट स्टैंडर्ड, एयर सेफ्टी और लाइसेंसिंग जैसे निदेशालयों के विशेषज्ञों द्वारा समर्थित होंगे। अनुपालन और सेफ्टी कल्चर का आकलन करने के लिए दस्तावेज समीक्षा, निरीक्षण, साक्षात्कार और डेटा विश्लेषण सहित कई तरीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।

अमेरिका के ईरान पर हमले से कच्चे तेल की कीमतों में हो सकता है इजाफा

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। अमेरिका की ओर से ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ गया है और इससे कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा हो सकता है, जो कि इस महीने पहले ही 20 प्रतिशत के करीब बढ़ चुकी हैं।

आखिरी कारोबारी सत्र में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का फ्यूचर्स लगभग 77 डॉलर प्रति बैरल पर था और अब अमेरिका के मध्य पूर्व संघर्ष में हस्तक्षेप करने के कारण कच्चा तेल एक और उछाल के लिए तैयार है।

माना जा रहा है कि मध्य पूर्व में

व्यापक संघर्ष का सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई से तेल आपूर्ति पर असर पड़ सकता है, जिससे कीमतों में भारी उछाल आएगा। शिपिंग पर भी असर पड़ सकता है क्योंकि हूती विद्रोहियों ने पहले ही चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो वे जहाजों पर अपने हमले फिर से शुरू कर देंगे।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है, और तेल की कीमतों में उछाल से देश के तेल आयात बिल में वृद्धि हो सकती है और मुद्रास्फीति की दर बढ़ सकती है, जिससे आर्थिक विकास को नुकसान पहुंच सकता है। विदेशी मुद्रा के बड़े पैमाने पर आउटफ्लो से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में भी कमजोरी आ सकती है।

एमके ग्लोबल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान प्रतिदिन लगभग 3.3 मिलियन बैरल (एमबीपीडी) कच्चे तेल का उत्पादन करता है और लगभग 1.5 एमबीपीडी का निर्यात करता है, जिसमें चीन 80 प्रतिशत भागीदारी के साथ मुख्य आयातक है। ईरान होर्मुज स्ट्रेट के उत्तरी किनारे पर भी है, जिसके माध्यम से दुनिया में 20 एमबीपीडी से अधिक कच्चे तेल का व्यापार होता है।

होर्मुज स्ट्रेट मध्य-पूर्व में एक चोक प्वाइंट है। इस मार्ग से सऊदी अरब और यूएई आदि भी शिपिंग करते हैं और पहले भी ईरान ने इसे बंद करने की चेतावनी दी है।

लूट और रंगदारी मांगने के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। हरियाणा के जींद इलाके में 13 जून को ग्रोसरी स्टोर मालिक को गोली मारकर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और बाद में ढाई लाख रुपये लूटने के मामले में आरोपित को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान सुल्तानपुरी, दिल्ली निवासी नसीब (32) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से एक बरेटा पिस्टल, तीन कारतूस और वारदात में इस्तेमाल एक स्कूटी बरामद की है।

संपादकीय

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए बिछने लगी बिसात

अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें २४१ यात्रियों की मौत हो गई। देश शोक के सागर में डूब गया। देश में इतनी दुखद घटना घटने के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी तुरंत साइप्रस जैसे देशों में गए और वहां के लोगों के साथ मुस्कुराते हुए फोटो खिंचवाई। प्रधानमंत्री साइप्रस के निकोसिया प्रांत गए। वहां के राष्ट्रपति ने मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मैकारियोस-३ से सम्मानित किया। ऐसे वक्त में जब देश शोक में था, मोदी फिर से विदेश दौरे पर चले गए। गृह मंत्री अमित शाह २०२७ के चुनाव अभियान की तैयारियों का नारियल फोड़ने उत्तर प्रदेश पहुंचे। शाह ने लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री मोदी कनाडा में जी-७ की बैठक में भी गए, लेकिन साइप्रस में उनका बयान महत्वपूर्ण है। साइप्रस प्रवास के दौरान उन्होंने विश्व शांति का राग आलापा। खबर आई कि उन्होंने कहा, युद्ध अच्छा नहीं है, यह युद्ध का समय नहीं है। मोदी की सोच में यह बदलाव आखिर कब हुआ? वे शांतिदूत वैष्ठसे बने? पहलगाम हमले के बाद मोदी ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। पाकिस्तान को बर्बाद कर देंगे। पाकिस्तान को चार टुकड़ों में बांट देंगे। पाकिस्तान हाथ में कटोरा लिए एक भिखारी और कंगाल देश है, ऐसा मोदीभक्तों का कहना था। ऐसी तस्वीर बनाई गई कि मोदी वाकई युद्ध के मैदान में उतर गए हैं, लेकिन अब अचानक मोदी शांति के पुजारी बन गए हैं और मौन हो गए हैं। भाजपा को इसका श्रेय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को देना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने मोदी की हवा ही निकाल दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान के खिलाफ चल रहे आतंकवाद के खिलाफ युद्ध को रोक दिया है। तब से मोदी ओम शांति शांति मंत्र जाप

कर रहे हैं। युद्ध की जगह बुद्ध की भाषा बोलने लगे हैं। पहलगाम हमले को दो महीने हो रहे हैं, लेकिन मोदी-शाह सरकार अभी तक २६ महिलाओं के माथे का सिंदूर पोंछनेवाले उन चार आतंकवादियों को नहीं खोज पाई है। जब तक इन चारों आतंकवादियों को पकड़कर दिल्ली के इंडिया गेट के सामने गोली नहीं मारी जाती, तब तक पहलगाम का बदला पूरा नहीं होगा। राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में भारत ने पाकिस्तान के साथ युद्धविराम किया और अब मोदी शांति का राग आलाप रहे हैं। भारतीय जनता को इसका क्या अर्थ लगाना चाहिए? अब एक और नई जानकारी सामने आई है। एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने कहा है कि पहलगाम में आतंकवादी हमला वित्तीय सहायता के बिना संभव नहीं है। जल्द ही एक रिपोर्ट जारी की जाएगी, जिसमें सरकार प्रायोजित आतंकवाद के साथ-साथ आतंकवादियों के वित्तपोषण के मामलों का खुलासा किया जाएगा। एफएटीएफ एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। यह दुनियाभर में आतंकवादियों के मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तपोषण पर नजर रखता है और इस बाबत कार्रवाई करने की कोशिश करता है। इसी एफएटीएफ ने पहलगाम पर कहा, इस तरह का आतंकवादी हमला बिना पैसे के असंभव है। अब इसमें एफएटीएफ ने कौन-सा नया शोध किया है? एक छोटा लड़का भी कहेगा कि बिना पैसे के ऐसे हमले संभव नहीं हैं। कश्मीर का आतंकवाद पैसे से ही पोषित किया गया है। किसी पर हमला करने या मारने के लिए जो सुपारी दी जाती है, उसके पीछे आर्थिक कारण होता है। भाजपा पैसों का इस्तेमाल कर वित्तपोषण कर जिस तरह से विधायकों और सांसदों को तोड़ती है, इसी तरह से

पैसों का इस्तेमाल करआतंकवादियों द्वारा लड़कों को हमला करने के लिए आगे किया जाता है, लेकिन इन सबके लिए जिम्मेदार यहां की मोदी सरकार है। मोदी सरकार की विफलता के कारण आतंकवादी भारतीय सीमा में घुसे, हमला किया और गायब हो गए। मोदी ने आतंकवादियों के वित्तपोषण को रोकने के लिए नोटबंदी की कुल्हाड़ी चलाई। इसमें आम जनता पिस गई। आतंकवादियों की गतिविधियां बंद नहीं हुई हैं। अगर आतंकवादियों को वित्तपोषण मिल रहा है और इसके कारण हमले बढ़े हैं तो इसके लिए हमारा गृह मंत्रालय जिम्मेदार है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भाजपा विरोधियों पर कार्रवाई हुई, लेकिन आतंकी खुलेआम घूम रहे हैं। एफएटीएफ के लिए यह भी जांच का विषय होना चाहिए। भारत में आतंकवादी हमलों, दुर्घटनाओं, मौतों का राजनीतिकरण किया जाता है। उरी, पठानकोट, पुलवामा और पहलगाम के आतंकवादी हमले मोदी काल में हुए। भाजपा ने इन सभी हमलों का राजनीतिकरण करके वोट मांगे, लेकिन जो लोग शहीद हुए, उन्हें कभी वास्तविक न्याय नहीं मिला। ऑपरेशन सिंदूर नाम के पीछे भी एक भावनात्मक राजनीति है। साइप्रस में शांति का राग आलापने वाले प्रधानमंत्री मोदी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जिन लाडली बहनों के माथे से सिंदूर मिटा दिया गया, क्या उनका बदला पूरा हो गया है। भाजपा ने कश्मीर में राजनीतिक गड़बड़ी की है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को नुकसान पहुंचाया है। मोदी को साइप्रस देश का सर्वोच्च पुरस्कार मिला है। जब वह इसे गले में लटका कर भारत लौटेंगे तो उन्हें २६ लाडली बहनों के माथे से मिटाया गया सिंदूर याद रखना होगा।
सिंदूर की रक्षा के लिए जिन्होंने युद्धक विमान उड़ाए वे मोदी अब शांति के कबूतर उड़ा रहे हैं!

कॉलर ट्यून या कलेजे पर हथौड़ा: हर बार अमिताभ क्यों?

सरकार को समझना चाहिए कि चेतावनी सिर्फ चेतना के लिए होती है, प्रताड़ना के लिए नहीं। एक बार, दो बार, चलिए तीन बार – पर हर कॉल पर वही ट्यून, वही स्क्रिप्ट, वही अंदाज – यह सिर्फ संचार व्यवस्था को बोझिल नहीं बना रही, बल्कि जनता का भरोसा भी खो रही है। आखिर हम कब तक तकनीक के इस बोझ को झेलती रहेंगी? भाई साहब, बात एकदम सीधी और साफ है – मैं भी अमिताभ बच्चन की कला की उतनी ही बड़ी प्रशंसक हूँ जितना कोई और। कौन नहीं है? वे अभिनय के सम्राट हैं, आवाज में गरज है, आंखों में भाषा है, और संवाद अदायगी ऐसी कि शब्दों को भी पसीना आ जाए। लेकिन अब वक्त आ गया है कि हम भावुकता और वास्तविकता को अलग-अलग करके देखें। एक तरफ हम उस कलाकार का सम्मान करते हैं, तो दूसरी तरफ आज आम जनता जिस मानसिक थकावट और व्यवहारिक समस्या से जूझ रही है, उस पर सवाल उठाना भी जरूरी है। जी हाँ, मैं बात कर रही हूँ उस चेतावनी भरी कॉलर ट्यून की, जो अमिताभ बच्चन की आवाज में साल भर से हर मोबाइल कॉल पर हमारे कानों में हथौड़ा मार रही है। अब सोचिए, जब भी आप किसी को कॉल करते हैं, आपको पहले 30 सेकंड तक अमिताभ बच्चन की कर्कश, बूमिंग आवाज में एक रटा-रटाया साइबर ठगी से बचने का उपदेश सुनना पड़ता है। न मर्जी पूछी जाती है, न विकल्प दिया जाता है। आप चाहे दिन में पहली बार कॉल कर रहे हों या पचासवीं बार, वही चेतावनी... वही लय, वही थरार्ती चेतावनी।
लोगों का तो यहाँ तक कहना है कि ये कॉलर ट्यून अब जनता का मानसिक उत्पीड़न बन चुकी है।
दिमाग की नसों में जो कंपकंपी फैलती है, उसे विज्ञान वाले ह्यवाइब्रेशनह्ल कहें, पर आम जनता इसे 'तंग आना' कहती है। किसी से एक जरूरी बात करनी हो, और सामने से आवाज आती है – "आपका कॉल साइबर अपराध से सुरक्षा हेतु रोका गया है..." – आदमी खुद को अपराधी न मान बैठे, तो क्या करे? अब मुद्दे की बात ये है कि आखिर ये कॉलर ट्यून क्यों अभी भी जारी है? यह कोई नया अभियान नहीं है। यह चेतावनी करीब एक साल से हर मोबाइल उपभोक्ता तक रोजाना, बार-बार पहुंचाई जा रही है।

'तृतीय परमाणु युग': बदलती दुनिया और डगमगाते वैश्विक मानदंड

डॉ सत्यवान सौरभ

जब 1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिरे, तो मानवता ने पहली बार अपनी ही बनाई शक्ति के विनाशकारी रूप को देखा। उसके बाद शुरू हुआ था पहला परमाणु युग–शीत युद्ध की संदेहपूर्ण रणनीतियों और ह्यपारस्परिक सुनिश्चित विनाशह्ल जैसी सोच से भरा समय। फिर आया दूसरा परमाणु युग, जिसमें परमाणु हथियार अमेरिका और रूस से बाहर निकलकर भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया, इजराइल जैसे देशों तक पहुंचे। लेकिन अब, इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में, विशेषज्ञों का मानना है कि हम 'तृतीय परमाणु युग' में प्रवेश कर चुके हैं–एक ऐसा समय, जहां पुराने संतुलन और समझौते टूटते जा रहे हैं, और परमाणु हथियार फिर से वैश्विक राजनीति के केंद्र में आ खड़े हुए हैं। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने इस नए युग की शुरूआत की घोषणा कर दी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुलेआम परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकी दी, जिससे पूरी दुनिया सकते में आ गई। यह पहली बार था जब किसी राष्ट्राध्यक्ष ने युद्ध नीति में परमाणु हथियारों को इतनी स्पष्टता से रखा। दूसरी ओर चीन ने ताइवान पर अपना दावा और कठोर किया है और अपने परमाणु भंडार का तीव्र आधुनिकीकरण कर रहा है। अमेरिका भी इस दौड़ में पीछे नहीं रहना चाहता और उसने भी अपने परमाणु हथियारों को तकनीकी रूप से उन्नत करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। भारत और पाकिस्तान के बीच भी, बालाकोट और पुलवामा जैसे घटनाक्रमों के बाद, सीमाओं पर तनाव और 'परमाणु विकल्प' पर बहस बढ़ी है। जब 1968 में परमाणु अप्रसार संधि अस्तित्व में आई, तब यह सोचा गया कि यह हथियार केवल पांच स्थायी शक्तियों तक सीमित रहेंगे और धीरे-धीरे उनका पूर्ण उन्मूलन होगा। लेकिन हकीकत इससे ठीक उलट है।

आज भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देश संधि के बाहर रहकर भी परमाणु शक्ति से लैस हैं और इसे राष्ट्रीय गौरव का विषय मानते हैं। इसके साथ ही जो संधियाँ कभी परमाणु हथियारों पर नियंत्रण की रीढ़ मानी जाती थीं–जैसे कि मध्यम दूरी की परमाणु संधि और नया सामरिक हथियार संधि–या तो समाप्त हो चुकी हैं या निष्क्रिय हो गई हैं। विकसित देश, जो खुद इन घातक हथियारों से लैस हैं, विकासशील देशों से निरस्त्रीकरण की अपेक्षा रखते हैं लेकिन स्वयं इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाते। इससे वैश्विक मंच पर एक प्रकार की दोहरी नीति दिखाई देती है, जो न केवल इन समझौतों की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाती है, बल्कि विकासशील देशों में असंतोष भी पैदा करती है। कभी ह्यपरमाणु निवारणह्ल की नीति ने दो महाशक्तियों को सीधे युद्ध से रोके रखा था,

लेकिन आज की बहु-ध्रुवीय दुनिया में यह सोच अब कमजोर होती दिख रही है। आज के विश्व में जहां निर्णयकर्ता नेता अधिक अस्थिर, अनिश्चित और राष्ट्रहित की आक्रामक व्याख्या करने वाले हैं, वहां यह नीति कितनी प्रभावी है, यह एक बड़ा प्रश्न बन चुका है। उत्तर कोरिया का लगातार मिसाइल परीक्षण करना, चीन द्वारा सैकड़ों नए मिसाइल प्रक्षेपण स्थल बनाना और रूस द्वारा बेलारूस में परमाणु हथियारों की तैनाती–ये सभी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि परंपरागत निवारण नीति अब खंडित हो रही है। इस युग की एक अन्य विशिष्टता यह है कि अब परमाणु हथियार अकेले नहीं हैं। इनके साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अतिशीघ्र गति से चलने वाली मिसाइलें, साइबर युद्ध और स्वचालित ड्रोन प्रणाली भी जुड़ चुकी हैं।

अमेरिका और चीन जैसे देश अपने परमाणु निर्णय प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। यह तकनीक एक ओर जहां तुरंत निर्णय लेने की क्षमता बढ़ा सकती है, वहीं दूसरी ओर किसी तकनीकी त्रुटि या साइबर हमले से अनायास ही परमाणु युद्ध छिड़ने की आशंका को भी जन्म देती है। भारत की स्थिति इस बदलती दुनिया में विशेष रूप से विचारणीय है। भारत ने अब तक 'पहले प्रयोग नहीं करने' की नीति अपनाई है और परमाणु हथियारों के नैतिक उपयोग पर बल दिया है। लेकिन चीन की बढ़ती आक्रामकता और पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के कारण भारत की परमाणु नीति की पुनर्समीक्षा की मांग अब उठने लगी है।

यह बहस अब मुख्यधारा में है कि क्या ह्यपहले प्रयोग न करनेह्ल की नीति वर्तमान समय में व्यावहारिक और सुरक्षित है?

परमाणु हथियारों का यह नया युग केवल महाशक्तियों की आपसी होड़ तक सीमित नहीं है। इसका असर पूरे वैश्विक दक्षिण पर भी पड़ता है। विकासशील देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि इससे उनकी अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव आता है, वे कूटनीतिक रूप से अधिक अस्थिर होते हैं, और युद्ध के अप्रत्यक्ष परिणाम उन्हें सबसे अधिक प्रभावित करते हैं। अफ्रीका, दक्षिण एशिया और लैटिन अमेरिका के देश इन वैश्विक खतरों से चिंतित हैं क्योंकि यह उनके बुनियादी मुद्दों–जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और जलवायु संकट–को पीछे धकेल देता है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी जैसी संस्थाएं, जो कभी इन विषयों की संरक्षक मानी जाती थीं, अब प्रभावहीन होती दिख रही हैं। यूक्रेन युद्ध में सुरक्षा परिषद की निष्क्रियता और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की सीमित पहुंच इस वैश्विक ढांचे की कमजोरियों को उजागर करती हैं। अगर इन संस्थाओं को समय रहते सशक्त नहीं किया गया तो भविष्य में इनकी भूमिका महज औपचारिक रह जाएगी।

ऐसे में विकल्प क्या हैं? सबसे पहले तो यह जरूरी है कि पूरी दुनिया में एक बार फिर परमाणु युद्ध के खतरों को लेकर जनचेतना जागृत हो। दूसरी बात, अब हमें पुराने दौर की संधियों से आगे बढ़कर नई अंतरराष्ट्रीय व्यवस्थाएं बनानी होंगी, जो आधुनिक तकनीक, नई सामरिक चुनौतियों और विविध शक्ति केंद्रों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाएं। तीसरे, विकासशील देशों को भी अब इस विमर्श में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि वैश्विक नैतिकता की परिभाषा केवल परमाणु संपन्न देशों की मोनोपॉली न रह जाए। और अंततः, युद्ध प्रणालियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग को नियंत्रित करने के लिए एक वैश्विक आचार संहिता तैयार की जानी चाहिए।

ह्यतृतीय परमाणु युगह्ल केवल हथियारों का नहीं, मानसिकता का युद्ध भी है। यह उस भ्रम की ओर इशारा करता है कि तकनीक और शक्ति से ही शांति संभव है, जबकि इतिहास बार-बार यह सिखाता है कि स्थायी शांति केवल पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग से ही आती है।

आज जब परमाणु बटन मात्र एक व्यक्ति के निर्णय भर की दूरी पर है, और जब युद्ध की प्रणाली में स्वचालित निर्णय और अज्ञात खतरे जुड़े हुए हैं, तो यह सवाल फिर से हमारे सामने है–क्या हम वाकई विकास की ओर बढ़ रहे हैं, या उसी विनाश की ओर लौट रहे हैं जिससे पिछली सदी में हमने कठिनाइयों से खुद को निकाला था?

गोरे धन में तेजी से तब्दील होता काला धन

गोया कि मै सच्चा भारतीय हूं इसलिए भारत की हर उपलब्धि पर खुश होता हूं और हर नाकामी पर लज्जित भी. चूंकि मै किसी लाभ-हानि के पद पर नहीं हूं इसलिए मुझे उपलब्धियों पर जश्न मनाने का तो हक है किंतु नाटामी पर इस्तीफा देने की चिंता नहीं है.. पिछले 11 साल से देश की सत्ता के माध्यम से सेवा कर रहे भाजपा के अवतार पुरुष और देश के प्रधानमंत्री शकी सबसे बडी और ताजा उपलब्धि ये है कि स्विस बैंकों में भारतीयों का जमा धन 2023 की तुलना में 2024 में तीन गुना बढ़कर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक (लगभग 37,600 करोड़ रुपये) हो गया। स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से स्विस बैंकों में रखे गए धन में भारी वृद्धि के कारण यह बढ़ोतरी हुई। 2023 में यह रकम चार वर्ष के निम्नतम स्तर 1.04 अरब स्विस फ्रैंक हो गई थी। भाजपा ने भरोसा तो ये दिलाया था कि सत्ता में आते ही सरकार स्विस बैंकों में जमा धशवापस लायेगी और हर मतदाता के खाते में 15-15लाख रुपये जमा कराएगी. लेकिन ये तो हो न सका, उलटे स्विस बैंकों के खाते लबालब हो गए.स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) के आधिकारिक आंकड़ों में स्विटजरलैंड में भारतीयों द्वारा रखे गए कथित काले धन के बारे में नहीं बताया गया है क्योंकि स्विट्जरलैंड भारतीयों के धन को काला धन मानता ही नहीं है.। स्विट्जरलैंड कहता रहा है कि वह कर चोरी के खिलाफ लड़ाई में भारत का समर्थन करता है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक द्वारा गुरुवार को जारी वार्षिक

आंकड़ों के अनुसार इस दौरान भारतीयों के कस्टमर अकाउंट का रकम केवल 11 प्रतिशत बढ़कर 34.6 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 3,675 करोड़ रुपये) हो गया, जो कुल धन का केवल एक-तिहाई है। वैसे 2023 में भारतीय व्यक्तियों और कंपनियों द्वारा स्विस बैंकों में स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से जमा धनराशि में 70 प्रतिशत की गिरावट आई थी। 2021 के बाद से स्विस बैंकों में भारतीयों का जमा धन में सर्वाधिक वृद्धि हुई है.2021 में स्विस बैंकों में भारतीयों का कुल धन 14 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

इनमें वह धन भी शामिल नहीं है जो भारतीयों, एनआरआइ या अन्य लोगों ने तीसरे देश की संस्थाओं के नाम पर स्विस बैंकों में जमा किया है।

एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, 2006 में कुल राशि लगभग 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकार्ड उच्च स्तर पर थी। एसएनबी के अनुसार, भारतीय ग्राहकों के प्रति स्विस बैंकों की कुल देनदारियों के लिए डाटा में स्विस बैंकों में भारतीय ग्राहकों के सभी प्रकार के फंड को शामिल किया गया है, जिसमें व्यक्तियों, बैंकों और कंपनियों से जमा राशि शामिल है।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

- ललित गर्ग -

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है।

ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है।

ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या

का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल-चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर-ही-भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया - कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक एवं सफल-सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है?

अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु-शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है।

वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरूआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान-सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव-क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है।

ईरान की जनता अपने शासकों के प्रति नाराज है। वह सत्ता परिवर्तन चाहती है, इसलिये इजराइल से युद्ध में जनता का समर्थन नगण्य है। इसका फायदा इजरायल को मिल रहा है, इसी कारण इजरायल ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराने में सफल हो पायी है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं।

बावजूद इसके अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा।

तेल संकट भी बढ़ेगा और संभवतः ईरान अमेरिका-समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है। तब अमेरिका के पास इस लड़ाई में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। ऐसी स्थितियां दुनिया के लिये अधिक घातक होगी, दुनिया में युद्ध के गहराते संकटों से मुक्ति का कोई तो रास्ता निकलना ही चाहिए।

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट,25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-

न्यूज फ्लैश

प्राधिकरण से वाणिज्यिक सेक्टर विकसित करने की मांग

लोक प्रेरणा

नोएडा। नोएडा के व्यापारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्राधिकरण और प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें कारोबार के लिए उपयुक्त और मुकम्मल स्थान उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। शहर के तेजी से बढ़ते औद्योगिक और आवासीय सेक्टर की तरह वाणिज्यिक सेक्टर विकसित करने की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि उनके लिए अलग से व्यापारिक सेक्टर की व्यवस्था नहीं होने से कारोबार में कई तरह की परेशानियां आ रही हैं। नोएडा के व्यापारी संगठन के सुरेंद्र गोयल का कहना है कि औद्योगिक सेक्टरों की तर्ज पर व्यापारियों के लिए भी अलग से व्यवस्थित व्यापारिक सेक्टर बनाए जाने चाहिए।

वर्तमान में अधिकांश व्यापारी किराए की दुकानों या अनियोजित क्षेत्रों में कारोबार करने को मजबूर हैं। इससे न केवल उनकी लागत बढ़ रही है, बल्कि ग्राहकों को भी असुविधा हो रही है। पार्किंग की कमी, ट्रैफिक जाम और अव्यवस्थित बाजारों की वजह से व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। व्यापारी मुकेश गोयल का कहना है कि नोएडा में औद्योगिक और आईटी सेक्टर को तो बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन व्यापारियों की अनदेखी हो रही है। हमें एक ऐसा व्यापारिक सेक्टर चाहिए, जहां आधुनिक सुविधाएं, पर्याप्त पार्किंग और व्यवस्थित दुकानें हों। व्यापारियों का यह भी कहना है कि प्राधिकरण की ओर से आवंटित कुछ व्यापारिक भूखंडों की कीमतें इतनी अधिक हैं कि छोटे और मझोले व्यापारी उन्हें खरीदने में असमर्थ हैं। नोएडा के आर्थिक विकास में व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, बाजवूद इसके वर्षों से यहां के व्यापारी वर्गों के हितों की अनदेखी की जा रही है।

अधिग्रहीत जमीन को लेकर वर्षों से संघर्ष कर रहे 11 गांवों के ग्रामीणों की उम्मीद जगी

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे और लैंड फॉर डेवलपमेंट (एलएफडी) प्रोजेक्ट के लिए अधिग्रहीत जमीन को लेकर वर्षों से संघर्ष कर रहे 11 गांवों के ग्रामीणों की उम्मीद अब फिर से जाग उठी है. यमुना प्राधिकरण ने आबादी लीजबैक के दावों की फिर से जांच करने का फैसला किया है, जो ग्रामीणों के लिए एक बड़ी राहत मानी जा रही है.

यूपी सरकार ने यमुना एक्सप्रेसवे और एलएफडी के लिए जेपी इंफ्राटेक को जमीन सौंपी थी।

गौतमबुद्ध नगर से लेकर आगरा तक पांच-पांच सौ हेक्टेयर की जमीन अधिग्रहीत की गई, जिसमें नोएडा जिले के 11 गांव प्रमुख रूप से प्रभावित हुए. ग्रामीणों का आरोप है कि अधिग्रहण में केवल खेत नहीं बल्कि उनकी आबादी वाले मकान भी शामिल कर लिए गए और तोड़ दिए गए. ग्रामीण लगातार यमुना प्राधिकरण से आबादी के हिस्से की लीजबैक की मांग कर रहे थे, लेकिन प्राधिकरण 2012 की सेटेलाइट इमेज को आधार बना रहा था. चूंकि गांवों की आबादी पहले ही उजाड़ दी गई थी, इसलिए 2012 की इमेज से उनकी पुष्टि कर पाना संभव नहीं हो पा रहा था.

ग्रामीणों की परेशानी और लंबे समय से चल रहे विवाद को देखते हुए यमुना प्राधिकरण के बोर्ड ने एक अहम फैसला लिया है. अब 2012 से पहले की सेटेलाइट इमेज को भी जांच का आधार बनाया जाएगा. इससे उन ग्रामीणों के दावों की भी पुष्टि हो सकेगी जिनकी आबादी अधिग्रहण के दौरान उजाड़ दी गई थी. यीडा के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि अब जमीन अधिग्रहण शुरू होने की तारीख से लेकर 2012 तक की इमेज की मदद से यह देखा जाएगा कि किस गांव में कितनी आबादी थी और क्या वाकई वहां निर्माण था या नहीं. इसके आधार पर आबादी लीजबैक पर फैसला लिया जाएगा।

ग्रामीणों को राहत

यह फैसला उन ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकता है, जिनकी आवाज अब तक दस्तावेजी प्रमाणों के अभाव में अनसुनी रह गई थी. अब उम्मीद है कि वर्षों पुरानी उनकी मांगों पर न्याय होगा और लीजबैक की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

7 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। भाईपुर ब्राह्मण गांव में 7 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया।

घटना उस समय हुई जब बच्ची ट्यूशन से अपने घर लौट रही थी। गांव का ही एक युवक अंकित उसे खेत में ले गया। शुरूआत में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने पीड़ित परिवार की शिकायत पर जांच शुरू की। जांच में आरोपी अंकित को दोषी पाया गया। रविवार को पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

रबूपुरा कोतवाली पुलिस ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

मुठभेड़ में ढेर शामली के विनोद गड़रिया को पनाह देने वालों की तलाश जाती

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) नोएडा यूनिट के साथ बुलंदशहर में मुठभेड़ में ढेर शामली के विनोद गड़रिया को पनाह देने वालों की तलाश की जा रही है। मुठभेड़ के दौरान फरार आरोपी की भी तलाश की जा रही है।

गौरतलब है कि शुक्रवार रात को एसटीएफ नोएडा और बुलंदशहर पुलिस ने एक लाख रुपये के इनामी विनोद गड़रिया को जहांगीराबाद कोतवाली क्षेत्र में ग्यारह मिल पुलिस चौकी क्षेत्र में मुठभेड़ में मार गिराया था। जांच में पता चला है कि आरोपी के पिता सीताराम किसान थे। आरोपी पांच भाई-बहनों में दूसरे नंबर का था। पिता करीब 25 साल पहले अपनी पत्नी माया के साथ शामली छोड़कर हरियाणा चले गए थे। हरियाणा जाने के कुछ वक्त बाद पिता की मौत हो गई थी। आरोपी के आपराधिक कृत्यों से परिजन भी परेशान थे। अपराध की दुनिया में कदम रखने के दौरान आरोपी को मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, हरिद्वार, बुलंदशहर में कई बदमाशों ने पनाह दी। आरोपी हर बार पुलिस को चकमा देने के लिए अपने ठिकाने बदलता रहता था। आरोपी पश्चिम उत्तर प्रदेश में दो दशकों तक आतंक का पर्याय बना हुआ था। यही कारण है कि बुलंदशहर पुलिस के अलावा एसटीएफ मुठभेड़ के दौरान फरार बदमाश की तलाश कर रही है। बदमाश की पहचान के लिए सीसीटीवी के अलावा सर्विलांस की मदद ली गई है। जेल में बंद बदमाशों की मदद से पुलिस की ओर से गिरोह के अन्य सदस्यों के अलावा फरार बदमाश की तलाश की जा रही है।

सेक्टर 12, सेक्टर 51 व सेक्टर 49 प्याऊ शिविर लगाकर आम लोगों की मदद

लोक प्रेरणा

नोएडा। सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा प्याऊ शिविर कार्यक्रम के तहत सेक्टर 12 सेक्टर 51 व सेक्टर 49 में प्याऊ शिविर लगाकर इस चिलचिलाती धूप में है आम राहगिरो शरबत पिलाकर थोड़ा राहत देने का प्रयास किया।

महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि प्याऊ शिविर का कार्यक्रम जब तक गर्मी कम नहीं हो जाती लगातार जारी रहेगा। समाजवादी पार्टी हमेशा आम लोगों के साथ उसके सुख-दुख में खड़ी है। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में विकास यादव , सुनील चौधरी, बबलू चौहान, गौरव कुमार यादव, मोहम्मद तसलीम, शालिनी खारी, अरविंद चौहान,रविंदर यादव, नीरज शर्मा ,भीष्म यादव , दिव्यांशु यादव ,अनिल पाल ,राणा मुखर्जी, लखन यादव, बबली शर्मा, बाबूलाल बंसल, मनीष गोयल,जावेद सैफी, विदित बंसल, सौरभ चौहान,सश,मनोज गोयल,रामबीर यादव,सतवीर यादव,सिकंदर पासवान,अशोक गुप्ता,चंदन सिंह,प्रणव मोहला, मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जय हो सामाजिक संस्था ने विधायक से मिलकर उठाई रेलवे रोड़ के पुनर्निर्माण की मांग

संस्था ने दादरी की लाइफ लाइन रेलवे रोड़ की जर्जर हालत को लेकर विधायक को सौंपा मांग पत्र

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। जय हो एक सामाजिक संस्था ने दादरी नगर की एक और प्रमुख समस्या को हल कराने का बीड़ा उठाया है। संस्था ने नगर की लाइफ लाइन यानी जीवन रेखा कहे जाने वाले रेलवे रोड़ की जर्जर हालत एवं बदहाली का मुद्दा इस बार क्षेत्रीय विधायक तेजपाल सिंह नागर के सामने उठाया है। जिसपर क्षेत्रीय विधायक ने जय हो संस्था के प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया है कि वो जल्द ही मुख्यमंत्री एवं संबंधित अधिकारियों से मिलकर दादरी नगर के लिए महत्वपूर्ण इस मार्ग का पुनर्निर्माण कराएंगे। ह्रजय होह्व एक सामाजिक संस्था इससे पूर्व भी गांधी जयंती 2 अक्टूबर के अवसर पर इस मार्ग के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर मौन उपवास कर चुकी है।

जय हो एक सामाजिक संस्था के संस्थापक संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि दादरी नगर को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने एवं व्यापारिक दृष्टिकोण से नगर के लिए जीवन रेखा कहे जाने वाले रेलवे रोड़ की हालत बीते लंबे समय से जर्जर है। वहीं आए दिन इस मार्ग पर दुर्घटनाएं तक हो रही हैं।

जिसे लेकर ह्रजय होह्व एक सामाजिक संस्था बीते लंबे समय से इस मार्ग के पुनर्निर्माण की मांग करती आ रही है। लेकिन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एवं प्रशासन के अधिकारी इसपर चुप्पी साधे हुए हैं। ऐसे में रविवार को ह्रजय होह्व एक सामाजिक संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने ग्रेटर नोएडा कैंप कार्यालय पर

क्षेत्रीय विधायक तेजपाल सिंह नागर से मुलाकात कर उन्हें पूरे मामले से अवगत कराया। जिसपर विधायक तेजपाल सिंह नागर ने मामले को तत्काल गंभीरता से लेते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कई उच्च अधिकारियों से फोन पर वार्ता करी। जिसके बाद विधायक तेजपाल सिंह नागर ने संस्था के प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि वो दादरी के निवासी हैं और शहर की इस पीड़ा को बखूबी समझ सकते हैं। शहर की इस समस्या के लिए वो जय हो के आग्रह पर पूर्व में भी प्रयास कर चुके हैं। उन्होंने भरोसा दिया कि इस बार इस कार्य में कोई हीला हवाली नहीं की जाएगी। इस प्रकरण को लेकर वो जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और संबंधित अधिकारियों से मिलकर वार्ता करेंगे और समस्या का हल कराएंगे।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में ह्रजय होह्व एक सामाजिक संस्था के संयोजक संदीप भाटी, अध्यक्ष दिनेश भाटी एडवोकेट, महासचिव परमानंद कौशिक एडवोकेट, अपना अधिकार जनहित सेवा समिति के अध्यक्ष अभिषेक मैत्रेय एडवोकेट, सचिन शर्मा एडवोकेट, सुरजीत विकल, पुष्प शर्मा आदि प्रमुख लोग मुख्य रूप से शामिल रहे।

सड़क हादसे में छात्रा की मौत, कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा। तीन दिन पूर्व हुए सड़क हादसे में स्नातक की छात्रा की दर्दनाक मौत के मामले में पुलिस ने अब कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। छात्रा की पिता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।थाना दियूरिया क्षेत्र के गांव नौवानगला निवासी सुखलाल ने पुलिस को बताया कि 19 जून को उसकी पुत्री आरती देवी डिग्री कॉलेज बरखेड़ा में परीक्षा देकर ई-रिक्शा से वापस घर लौट रही थी। इसी दौरान प्रतापडांडी के निकट पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार इको कार ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में आरती देवी रिक्शे के नीचे दब गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने मामले में कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद आरोपी कार चालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गैंगस्टर दीपक उर्फ भांजा की हत्या का आरोपित गिरफ्तार,पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुरथल के वीर ढाबे पर गैंगस्टर दीपक उर्फ भांजा की हत्या करने वाले हरियाणा के कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान गांव सिवाह, पानीपत, हरियाणा निवासी राकेश कादियान उर्फ पंपू (39) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से एक पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और ब्रेजा कार बरामद की है।

सोनीपत के पुलिस आयुक्त (सीपी) ने आरोपित की गिरफ्तारी पर ने 20 हजार रुपये का इनाम रखा हुआ था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक दीपक की हत्या के बाद राकेश दिल्ली में अपना गिरोह खड़ा करना चाह रहा था। इसके लिए उसने 15 से 20 लड़कों की भर्ती भी कर ली थी। स्पेशल सेल की टीम आरोपित से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमित कौशिक ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली कि फरवरी-2025 में मुरथल के वीर ढाबे पर दीपक उर्फ भांजा की हत्या में शामिल इनामी बदमाश दिल्ली आने वाला है। सूचना के बाद फौरन एक टीम का गठन किया गया। रविवार को आरोपित ब्रेजा कार में सवार होकर रोहिणी पहुंचा, जहां से पुलिस ने आरोपित को पकड़ लिया।

पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपित की तलाशी लेने पर उसके पास से एक ऑटोमैटिक पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए है। पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि वह दिल्ली में अपने गिरोह के सदस्यों से मिलने आया था। दिल्ली में वह अपने गिरोह के लिए लड़कों की तलाश कर रहा था। 15 से 20 लड़के उसके गिरोह में शामिल हो भी गए थे।

उत्तर भारत में माओवादी का नेटवर्क सक्रिय करने की साजिश में एनआईए ने की एक और गिरफ्तारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सीपीआई (माओवादी) द्वारा उत्तर भारत में अपना नेटवर्क फिर से सक्रिय करने की साजिश के मामले में विशाल सिंह को दिल्ली से गिरफ्तार किया। उसके घर से डिजिटल सबूत बरामद हुए। वह बिहार के जंगलों में संगठन की बैठकों में शामिल रहा है। इससे पहले अजय सिंघल को भी पकड़ा गया था। जांच अब भी जारी है।

एनआईए के अनुसार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा निवासी विशाल सिंह के पश्चिम दिल्ली स्थित घर से डिजिटल डिवाइस, हार्ड ड्राइव, पेन ड्राइव और मोबाइल फोन सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। जांच में सामने आया है कि विशाल सिंह ने 2019 में बिहार के घने जंगलों में सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति की बैठकों में भाग लिया था। उसने बिहार के छकबरबांदा, पंचरुखिया क्षेत्र में संगठन के नेताओं को ड्रोन पहुंचाया और अन्य सदस्यों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया।

एनआईए ने इससे पहले अगस्त 2024 में हरियाणा और पंजाब के स्टेट ऑगेर्नाइजिंग कमेटी के प्रभारी अजय सिंघल उर्फ अमन को भी इसी मामले में गिरफ्तार किया था। यह साजिश संगठन की उत्तर भारत में सक्रियता बढ़ाने की योजना से जुड़ी है, जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। संगठन अंडरग्राउंड कैडरों और कुछ ओवरग्राउंड वर्कर्स के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में नेटवर्क खड़ा कर रहा था।

एनआईए ने बताया कि कई फ्रंटल संगठनों और छात्र इकाइयों का इस्तेमाल भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध छेड़ने की रणनीति के तहत किया जा रहा था। इन्हें संगठन के झारखंड स्थित पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो से धन प्राप्त हो रहा था।

दिल्ली में अब नगर निकायों और संबंधित विभागों से पूरी होंगी लाइसेंसिंग प्रक्रिया : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में होटल, मोटेल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, स्वीमिंग पूल, ऑडिटोरियम, वीडियो गेम पार्लर, डिस्कोथेक और मनोरंजन पार्क जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों से संबंधित लाइसेंसिंग प्रक्रिया पुलिस से हटाकर नगर निकायों और संबंधित विभागों को सौंप दी गई है। इससे ह्यईज ऑफ डूइंग बिजनेसह्व को गति मिलेगी, व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित होगी। यह जानकारी मुख्यमंत्री ने रविवार को एक्स पर साझा की।

मुख्यमंत्री ने पोस्ट करते हुए बताया कि यह निर्णय न केवल समयानुकूल बल्कि दूरदर्शी, व्यावहारिक और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का हार्दिक आभार।

उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस पर

वर्षों से लाइसेंसिंग की जिम्मेदारी का अतिरिक्त बोझ था, जिससे उनकी मूल कानून-व्यवस्था संबंधी जिम्मेदारियां प्रभावित हो रही थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप हमारी सरकार हमेशा ह्यन्यूनतम सरकार, अधिकतम शासनह्व के सिद्धांत पर काम करती रही है और यह निर्णय उसी का प्रतिफल है। यह दिखाता है कि केंद्र, उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार जनहित को सर्वोपरि रखकर एकजुट होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा इससे पुलिस को कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और महिला सुरक्षा जैसे अहम विषयों पर पूरी तरह ध्यान देने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों को विश्वास दिलाया कि अब लाइसेंसिंग प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और डिजिटल होगी, जिससे अनावश्यक परेशानियां समाप्त होंगी। इस कदम से दिल्ली को प्रशासनिक रूप से अधिक चुस्त, व्यवस्थित और जवाबदेह राजधानी बनाने की दिशा में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। यह ह्यविकसित दिल्लीह्व की दिशा में प्रभावी और कारगर सिद्ध होगा।

पति से बात करने के बाद पत्नी ने निगला जहर, हालत नाजुक

नई दिल्ली। राजगढ़ थाना क्षेत्र के चौखड़ा गांव में रविवार को एक 22 वर्षीय महिला द्वारा विषाक्त पदार्थ खाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिला ने अपने पति से फोन पर बातचीत के कुछ ही देर बाद जहर खा लिया। स्थिति बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दरअसल, चौखड़ा गांव निवासी सोहनी पटेल (22) की शादी चुनार निवासी मनोज से हुई थी। कुछ दिनों से सोहनी अपने मायके में रह रही थी। रविवार को उसने पति से फोन पर बातचीत की। बातचीत के बाद अचानक उसने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। परिजनों के अनुसार, सोहनी को उल्टी होने लगी और मुंह से झाग निकलने लगा। गंभीर स्थिति में उसे तत्काल सीएचसी राजगढ़ ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान परिजन उसे किसी निजी अस्पताल में ले गए। वहां से भी राहत न मिलने पर करीब दो घंटे बाद उसे फिर सीएचसी राजगढ़ लाया गया।

अनियंत्रित तेज रफ्तार टेंपो ने छह लोगों को मारी टक्कर

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में अनियंत्रित तेज रफ्तार टेंपो ने डिवाइडर की रेलिंग तोड़ते हुए सड़क के दूसरी ओर जाकर छह लोगों को टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इससे पहले टेंपो सड़क पर खड़ी एक कार से टकरा गई और इससे उसकी रफ्तार कुछ कम हो गई। घायलों में एक ही परिवार के छह लोग शामिल हैं जो हादसे के वक्त गली के नुक्कड़ पर खड़े हुए थे।

घायल हालत में 27 वर्षीय नूरी, 55 वर्षीय अफसारी, 25 वर्षीय हसीन उर्फ सोनू, 18 वर्षीय महक, 25 वर्षीय फूलबी व 11 वर्षीय अयान को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से हालत गंभीर होने के चलते उन्हें लोक नायक अस्पताल भेज दिया गया।

अस्पताल में नूरी की हालत गंभीर बनी हुई है। अन्य घायलों को अस्पताल में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। उनका कहना है कि सड़क पर अगर कार न खड़ी होती तो उनका बच पाना मुश्किल था। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और लोगों ने आरोपी टेंपो चालक को मौके पर ही पकड़ लिया। आरोपी को पुलिस को सौंप दिया गया।

गिरफ्तार टेंपो चालक की पहचान अनुज चौहान के रूप में हुई है। घायलों का दावा है कि शराब के नशे में आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया है।

बहन को नुक्कड़ तक छोड़ने गया था परिवार

मिली जानकारी के मुताबिक, सोनू अपने परिवार के साथ सीलमपुर के जी-ब्लाक में रहता है। पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से उनकी मामी अफसरी व इनकी बेटी नूरी उनके घर रहने के लिए आए हुए थे। सोनू ने बताया कि शनिवार को शास्त्री पार्क में रहने वाली उनकी बहन घर आई थी। रात करीब 12 बजे पूरा परिवार बहन को छोड़ने के लिए गली के नुक्कड़ तक गया था। उनकी बहन कार में बैठकर चली गई। इसी दौरान सनातन मंदिर की ओर से आई तेज रफ्तार व अनियंत्रित टेंपो डिवाइडर की रेलिंग को तोड़ते हुए सड़क की दूसरी ओर आ गई। अनियंत्रित टेंपो सभी को टक्कर मारते हुए अंत में सड़क पर खड़ी एक कार में जा भिड़ी। हादसे में घायलों के हाथ, पैर, कमर, पेट व सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

परिवहन मंत्री ने की बापरोला गांव से हरफूल विहार को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण कार्य की शुरूआत

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने रविवार को विकासपुरी विधानसभा के बापरोला गांव से हरफूल विहार को जोड़ने वाली पूल वाली सड़क के निर्माण कार्य की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की नाकामियों के वजह से यह सड़क लंबे समय से टूटी पड़ी रही, जिससे इलाके में रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजाना आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

मंत्री पंकज कुमार सिंह एक विकहा कि विकासपुरी विधानसभा में रहने वाले लाखों लोगों के सर्वांगीण विकास करने और नागरिकों को शानदार सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए वे रात-दिन काम करने में जुटा है। प्रत्येक नागरिक को सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं जल्द से जल्द मिल सके इसके लिए मेरा प्रयास लगातार जारी है।

मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सड़क का निर्माण का कार्य पूरा हो जाने के बाद बापरोला गांव जी-2 जल विहार, प्रशांत एनक्लेव, बजरंग चौक से लेकर हरफूल विहात तक में रहने वाले लोगों को सीधा

लाभ पहुंचेगा। साथ ही इलाके में कई प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 3000 से 3500 स्कूली बच्चों को भी रोजाना सुरक्षित और सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने का सपना जल्द से जल्द साकार हो सके। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली के विकास करने और दिल्ली के हर नागरिकों के लिए उनके सपनों की दिल्ली बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

भाजपा शासन में महिलाएं असुरक्षित और उपेक्षित: अखिलेश यादव

समाजवादी महिला सभा की बैठक में बोले सपा प्रमुख, 2027 में बदलाव का लिया संकल्प

लोक प्रेरणा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि उसकी जनविरोधी नीतियों से प्रदेश की आधी आबादी निराश और असहाय हो गई है। महिलाओं पर अत्याचार और असुरक्षा की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जबकि भाजपा सरकार मूक दर्शक बनी हुई है।

अखिलेश यादव रविवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मैनपुरी सांसद डिंपल यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

उन्होंने कहा, "समाजवादी सरकार में शुरू की गई महिला कल्याण योजनाएं भाजपा ने बंद कर दी हैं। कन्या विद्याधन, समाजवादी पेंशन, लैपटॉप वितरण, 1090 वूमेन पावर लाइन और 102 एम्बुलेंस जैसी योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने की दिशा में

प्रभावशाली थीं, लेकिन भाजपा सरकार ने इनका गला घोंट दिया।"

सपा प्रमुख ने यह भी ऐलान किया कि आगामी समाजवादी सरकार में 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' के तहत प्रदेश की महिलाओं को प्रतिमाह ?3,000 की सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि "नेताजी मुलायम सिंह यादव का मानना था कि अगर स्त्री आगे बढ़ेगी तो समाज और राष्ट्र भी आगे बढ़ेगा। समाजवादी पार्टी उसी विचारधारा का अनुसरण कर रही है।"

बैठक में प्रदेश भर से आई महिला कार्यकताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सपा सरकार आने पर महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और महिला पुलिस की बड़ी संख्या में भर्ती की जाएगी। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि "आशा बहुओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, रसोइयों सहित तमाम महिला कर्मियों के साथ भाजपा ने धोखा किया है।"

बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा, पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, पूर्व सांसद कनकलता सिंह, पूर्व एमएलसी डॉ. मधु गुप्ता, लीलावती कुशवाहा, महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह और प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव की विशेष उपस्थिति रही।

अंत में कार्यकताओं ने 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाकर अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प दोहराया।

जिले में नहीं रहा पुलिस का खौफ दबंगों ने पिता-पुत्र पर किया तलवार से हमला मेडिकल कॉलेज रेफर

लोक प्रेरणा

हरैया बस्ती । आपको बताते चलें कि हरैया थाना क्षेत्र में केबल कनेक्शन को लेकर हुए विवाद में पिता-पुत्र पर तलवार से हमला कर दिया गया दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है । आपको बताते चलें कि आद्या शुक्ला व उनके बेटे अंजनी शुक्ला पर मनोज विश्वकर्मा और उनके तीन बेटों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया । घटना की जड़ खेत का मेड़ काटने का पुराना विवाद था इसके बाद ट्रांसफार्मर से अंजनी शुक्ला के ढाबे तक बिजली केबल जोड़ने को लेकर मनोज विश्वकर्मा और उनके परिवार ने आपत्ति जताई और शनिवार शाम को पुलिस की मौजूदगी में केबल जोड़ी गई इसी बात से नाराज होकर मनोज विश्वकर्मा ने अपने बेटों शत्रुघ्न व श्रीप्रकाश और सत्य प्रकाश के साथ ढाबे पर बैठे आद्या शुक्ला और अंजनी शुक्ला पर हमला कर दिया आद्या शुक्ला को सिर में गंभीर चोट आने के कारण बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया है अंजनी शुक्ला के शरीर पर गहरे घाव हैं और उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है पुलिस मामले की जांच कर रही है किन्तु अभी तक किसी अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं हुई है ।

भारत-नेपाल सीमा पर स्थानीय पुलिस व एसएसबी के जवानों ने पैदल गश्त कर कराया सुरक्षा का एहसास

लोक प्रेरणा

सिद्धार्थनगर । आपको बताते चलें कि भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ सुजीत कुमार राय ने थाना ढेबरुआ पुलिस व सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की गई । बैठक के बाद सीमा क्षेत्र में पैदल गश्त कर स्थिति का जायजा लिया गया पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में यह बैठक आयोजित हुई जिसमें एसएसबी के वरिष्ठ अधिकारी व स्थानीय पुलिस बल के कर्मी मौजूद रहे । संयुक्त बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई इनमें सीमा सुरक्षा को मजबूत करना और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाना शामिल था साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और कानून व्यवस्था को बनाए रखने पर जोर दिया गया । इस पैदल गश्त के दौरान अधिकारियों ने संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है उन्होंने बताया कि सभी सुरक्षा एजेंसियां क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए सतर्क हैं ।

खुशी फाउण्डेशन ने बिना दहेज कराया निकाह

लोक प्रेरणा

लखनऊ । हजरतगंज में खुशी फाउण्डेशन की संस्थापिका/प्रबन्धक शाजिया खान ने एक गरीब बेटी का निकाह पूरे मुस्लिम रीति-रिवाज के साथ बिना किसी दहेज के करवाकर समाज में एक नई मिसाल पेश की है।

यह सादगी भरा और गरिमामय आयोजन दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संदेश देता है और समाज को एक सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा देता है।खुशी फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद मुकीद ने बताया कि संगठन सामाजिक कार्यों को लेकर सदैव तत्पर रहता है।संगठन के पदाधिकारी भी सामाजिक कार्यों में हमेशा लगे रहते हैं।

युवती की आपत्तिजनक तस्वीर खींचने को लेकर तीन पर अभियोग पंजीकृत

लोक प्रेरणा

शुकुल बाजार, अमेठी। थाना क्षेत्र के कस्बा बाजार शुक्ल के मवैया चौराहा अंतर्गत एक पीड़िता ने तीन आरोपियों के विरुद्ध आपत्तिजनक तस्वीरें खींचने और वायरल करने का आरोप लगाया है नजदीकी थाने में तहरीर के माध्यम से युवती ने बताया कि विपक्षियों द्वारा अनुचित तरीके से परेशान किया जा रहा है एवं बाथरूम के सामने सीसीटीवी कैमरा लगवा रखा है जिसके माध्यम से कई आपत्तिजनक तस्वीरें खींचकर वीडियो बनाए गए व तस्वीरें ली गई है वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की विपक्षी धमकी दे रहे हैं

जिसमें मुख्य आरोपी शिक्षा विभाग में कार्यरत है,थाना अध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि उक्त प्रकरण में 351/3 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया जा चुका है उपनिरीक्षक शाबिर अली द्वारा प्रकरण की विवेचना की जा रही है।

अवैध खनन और अपराध नियंत्रण को लेकर कमिश्नर की कड़ी कार्रवाई, कई एसएचओ हटाए गए

नोएडा । गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर ने कानून व्यवस्था के लिए ली गई समीक्षा बैठक में कड़ी कार्रवाई करते हुए कई एसएचओ और चौकी इंचार्ज को हटाते हुए उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बैठक में कुछ थानों की लचर कार्यप्रणाली और हीलाहवाली रवैये पर गहरी नाराजगी जाहिर की है।

उन्होंने अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर ठोस कार्रवाई न करने वाले थाना एक्सप्रेसवे के प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र सिंह को उनके कार्य के प्रति लापरवाही के चलते पद से हटा दिया और उन्हें प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी) से संबंधित कर दिया गया। इसी तरह, नॉलेज पार्क थाने के प्रभारी विपिन कुमार को जनहित में मुख्यालय से संबंधित कर दिया गया।

निरंकुश प्रशासन के विरुद्ध अपनी ही सरकार में तीन दिनों से आमरण अनशन पर बैठे भाजपा के वरिष्ठ नेता

लोक प्रेरणा

बस्ती । आपको बताते चलें कि जैसे-जैसे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता आशीष शुक्ला के आमरण अनशन का समय जैसे-जैसे बढ़ता जा रहा है वैसे-वैसे जिले के नाकों गलियों और चौराहों पर तमाम तरह की कयासबाजियों कन-फुस्की व चचाओं का दौर भी बढ़ता जा रहा है। और इस उठापटक के बीच यह चर्चा उभरकर आम हो गया है कि जब अनशन पर बैठे सत्ताधारी दल के नेता के साथ प्रशासन का यह रुख है तो विपक्षी दलों के नेताओं के साथ क्या होता । गौरतलब हैं कि जिले में लगातार बढ़ रहे आपराधिक घटनाओं, बेलगाम नौकरशाही,

अधिकारियों/कर्मचारियों के मनमानीपूर्ण रवैए के खिलाफ "एक रहेंगेझसेफ रहेंगे" के नारे के साथ पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा आशीष शुक्ल "सैनिक" का अनिश्चित कालीन आमरण अनशन अनवरत जारी है । इस अनशन में आशीष शुक्ल "सैनिक" ने अपने अनशन के प्रमुख मांगों में नगर थाना क्षेत्र के खुटहन गांव में दो सगे भाईयों की करंट से मौत मामले में परिजनों को समुचित मुआवजा दिये जाने व दोषी अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई, पैकोलिया थाना क्षेत्र के जीतीपुर गांव में बालिका की हत्या मामले में पैकोलिया थानाध्यक्ष के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने, लालगंज थाना क्षेत्र में मासूम दलित बालिका से दुराचार व हत्या मामले में थानाध्यक्ष व हल्का दरोगा तथा बीट सिपाही के विरूद्ध कार्रवाई, बस्ती शहर के मालवीय रोड पर जमीनी विवाद मामले में पुलिस के भूमिका की जांच को सार्वजनिक कर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई, कोतवाली थाना क्षेत्र के कटेश्वर पार्क में बालिका के साथ दुराचार के मामले में दोषी पुलिस कर्मियों के विरूद्ध कार्यवाही, उभाई में युवक की हत्या मामले में सीबीसी प्रेरक मिश्रा की रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दोषी पुलिस कर्मियों के विरूद्ध कार्रवाई आदि को शामिल किया है। मांगपत्र के कुछ मामलों में हाल ही में जिला प्रशासन ने कार्यवाही भी कर दी है तथा शेष में कार्यवाही प्रगति का लोगों को बेसब्री से इंतजार भी है। ज्ञातव्य हैं कि अपनी ही सरकार के खिलाफ भाजपा नेता द्वारा शुरू किए गए इस आमरण अनशन को जिले के विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक और जातीय संगठनों ने भी अपना समर्थन प्रदान किया है अब देखना यह है कि इस आमरण अनशन से प्रशासन पर क्या फर्क पड़ता फिलहाल अबतक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी धरना स्थल तक नहीं पहुंचे हैं ।

आइस्क्रीम फैक्ट्री में करंट से किशोर की मौत

लखनऊ : निगोहा थाना क्षेत्र के मस्तीपुर गांव में आइस्क्रीम फैक्ट्री में काम कर रहे पिता को बारिश में भीगते हुए बुलाने गए किशोर की आइस्क्रीम ट्राली में आ रहे करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। शुक्रवार सुबह परिजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भावाखेड़ा निवासी शिवपाल करीब छह वर्षों से मस्तीपुर स्थित एक आइस्क्रीम फैक्ट्री में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कभी-कभार बेटा शिवांश (15) भी फैक्ट्री में आ जाता था। इसी तरह गुरुवार रात बारिश होने के दौरान शिवांश भीगते हुए पिता को ले जाने आया।

इसी दौरान फैक्ट्री में चार्जिंग पर लगी आइस्क्रीम ट्राली में दौड़ रहे करंट की चपेट में शिवांश आ गया।

आम तोड़ने के विवाद में बुजुर्ग की हत्या कैबिनेट मंत्री ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर दिलाया न्याय का भरोसा

लोक प्रेरणा

मेहदावल संतकबीरनगर । आपको बताते चलें कि जनपद के मेहदावल थाना क्षेत्र में एक हफ्ते पहले आम तोड़ने के मामूली विवाद में हुई 70 वर्षीय बुजुर्ग संतबली यादव की हत्या अब पूरी तरह राजनीतिक रंग ले चुकी है हर रोज किसी न किसी राजनीतिक दल के नेता मृतक परिवार से मुलाकात कर संवेदना जताने के साथ साथ सियासी बयानबाजी में जुटे हुए हैं मामला मेंहदावल थाना क्षेत्र के अमरडोभा गांव का है । आपको बता दें कि सात दिन पहले अमरडोभा और सिक्टौर गांव के बीच आम तोड़ने को लेकर विवाद हुआ था शनिवार सुबह यह विवाद फिर उग्र हो गया और ईंट-पत्थर, लाठी-डंडों से हुई हिंसा में 70 वर्षीय संतबली यादव की मौत हो

गई इस हिंसक झड़प में बनारसी यादव और उनके पुत्र सोनू यादव समेत दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है । घटना के बाद से ही पूरा मामला जातीय और राजनीतिक मोड़ ले चुका है जहां समाजवादी पार्टी ने इसे जातीय उत्पीड़न करार देते हुए सरकार पर हमला बोला है वहीं भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी भी अब खुलकर मैदान में उतर आई है । कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद अपने बेटे सांसद प्रवीण निषाद के साथ रविवार को आरोपी पक्ष से मिलने पहुंचे उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन इसे जातीय संघर्ष बना देना बेहद निंदनीय है कुछ नेता जहर उगल रहे हैं जिससे समरसता प्रभावित हो रही है उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्दोष जेल में गए हैं तो उनकी जमानत करवाई जाएगी जो लोग सिर्फ वोट लेकर मौन हैं वे बिरादरी पर कलंक हैं । सपा जिलाध्यक्ष अब्दुल कलाम के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मृतक परिवार से मुलाकात की और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी मेंहदावल से पूर्व प्रत्याशी जयराम पांडे को फोन कर पीड़ित परिवार को लखनऊ बुलाने के निर्देश दिए हैं । सूत्रों की मानें तो अखिलेश यादव खुद परिजनों से मुलाकात कर सकते हैं फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है हत्या व मारपीट के आरोपों की जांच जारी है अमरडोभा गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है ।

अवैध रूप से कूड़ा फेंकते पकड़े गए, जेसीबी मालिक पर 1 लाख रुपये जुमार्ना, ट्रैक्टर-ट्रॉली भी जब्त

ग्रेटर नोएडा। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की मुहिम तेज हो गई है। इसी क्रम में शनिवार को प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने राइज पुलिस चौकी से चार मूर्ति रोड पर बने एक अवैध कूड़ा डंपिंग स्थल पर छापा मारते हुए बड़ी कार्रवाई की।

स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक आर.के. भारती के नेतृत्व में मौके पर पहुंची टीम ने अवैध रूप से ट्रैक्टर-ट्रॉली से कूड़ा गिराते लोगों को रंगे हाथों पकड़ लिया। मौके से ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर ली गई और मालिक पर ?50,000 का जुमार्ना लगाया गया। इसके अलावा जेसीबी से कूड़ा गिरा रहे मशीन मालिक पर ?1 लाख का जुमार्ना लगाया गया और जेसीबी को भी जब्त कर लिया गया।

यह कार्रवाई सीईओ एन.जी. रवि कुमार की स्वच्छ शहर अभियान के तहत की गई, जिसमें लगातार निगरानी व धरपकड़ की जा रही है।

महाप्रबंधक आर.के. भारती ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर में कहीं भी अवैध रूप से कूड़ा फेंकने की गतिविधि पर सख्ती से रोक लगाई जाए। निरीक्षकों को नियमित रूप से गश्त और रिपोर्टिंग करने के आदेश भी दिए गए हैं। इस मौके पर प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वी.एस. ने ग्रेटर नोएडा के नागरिकों से अपील की कि ह्लशहर को साफ-सुथरा रखने में प्रशासन का साथ दें और इधर-उधर कूड़ा न फेंकें।ह्व

स्वास्थ्य विभाग के इस त्वरित और प्रभावी कदम ने यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि सार्वजनिक स्वच्छता से खिलवाड़ करने वालों पर अब शिकंजा और कसा जाएगा।

26 जून को नोएडा इंटरनेशनल फिल्म सिटी का शिलान्यास, जोरों पर तैयारियां

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट फिल्म सिटी के शिलान्यास की तारीख की घोषणा हो चुकी है। 26 जून को शाम 5 बजे इंटरनेशनल फिल्म सिटी का शिलान्यास किया जाएगा।

इस आयोजन में फिल्मी सितारों का जमावड़ा लगने की पूरी उम्मीद है। कई बड़े चेहरे भी इस समारोह में शामिल होने वाले हैं। इस समारोह के साथ ही फिल्म सिटी के निर्माण कार्य की औपचारिक शुरूआत होगी।

इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को न सिर्फ भारतीय बल्कि वैश्विक फिल्म निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाना है।

फिल्म सिटी को यमुना एक्सप्रेसवे

के किनारे विकसित किया जाएगा, यह कुल 1,000 एकड़ क्षेत्र में फैली होगी। परियोजना का पहला चरण 230 एकड़ में विकसित किया जाएगा, जिसे तीन सब-फेज में विभाजित किया गया है।

पहले सब-फेज में 80 एकड़ भूमि पर फिल्म स्टूडियो, फिल्म इंस्टीट्यूट, प्रोडक्शन हब और अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। निर्माण कार्य को 18 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि काम में देरी की स्थिति में प्रति दिन 10 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा, ताकि कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरा हो।

फिल्म सिटी का निर्माण बेव्यू ग्रुप और भूटानी ग्रुप के साझे प्रयास से किया जाएगा। इन दोनों ग्रुप्स को परियोजना के विस्तृत लेआउट प्लान तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिसे मंजूरी भी मिल चुकी है।

इस फिल्म सिटी का लक्ष्य सिर्फ सिनेमा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार और पर्यटन के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित करेगी।

हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। यह परियोजना यूपी की सांस्कृतिक छवि को भी वैश्विक स्तर पर मजबूत करेगी।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी

चंडीगढ़। विदेश भेजने के नाम पर लोगों से लाखों रुपए की ठगी करने के दो अलग-अलग मामलों में सैक्टर-17 थाना पुलिस ने दो एजेंटों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पीड़ितों से वर्क और टूरिस्ट वीजा दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपए वसूल लिए गए, लेकिन न तो वीजा मिला और न ही पैसे लौटाए गए। पुलिस ने दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला मामला हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव नाहरी की रहने वाली एक महिला की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि इमीग्रेशन कंपनी के मालिक सैक्टर 17 निवासी दीपक शर्मा और उसके साथियों ने उसे वर्क और टूरिस्ट वीजा दिलाने का भरोसा दिलाया।

सीएम भजनलाल शर्मा ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों से किया संवाद

सीएम भजनलाल शर्मा ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों से किया संवाद

जैसलमेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जांबाज हर तरह की परिस्थितियों में अड़िग रहकर दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही कानून व्यवस्था, अपराध की रोकथाम, सामाजिक समरसता बनाए रखने और आपदा प्रबंधन में बीएसएफ के जांबाज हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटे रहते हैं।

शर्मा शनिवार को भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित मां तनोट राय मंदिर परिसर में सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने बीएसएफ के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के

छक्के छुड़ाकर हम सबको गौरवान्वित किया है। बीएसएफ और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया के सामने बहादुरी का एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया है।

हमारी बीएसएफ दुनियाभर में अग्रणी

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की बीएसएफ ने जल, थल और वायु सुरक्षा इकाइयों का गठन कर दुनिया भर के सभी सीमा सुरक्षा बलों में अग्रणी बनाया है। बीएसएफ आज दुनिया का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सीमा सुरक्षा बल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा बलों को बेहतर आवास, स्वास्थ्य सुविधाएँ, शिक्षा और आधुनिक उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान प्रदेश के अंतराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रिक्त पद भरे तथा लगातार संपर्क बनाए रखा। यहां के नागरिकों से भी देशभक्ति का जज्बा, देशप्रेम और बीएसएफ के कार्यों की सराहना देखने को मिलती है।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में युवा मोर्चे के मॉक पार्लियामेंट की बैठक संपन्न

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। भारतीय जनता युवा मोर्चा 27 जून को मॉक पार्लियामेंट का आयोजन एचआरआईटी यूनिवर्सिटी में करेगा। मॉक पार्लियामेंट के जरिए वर्ष 1975 में लगे आपातकाल की त्रासदी को बताया जाएगा एवं यह संसद की तरह लगेगी साथ ही पक्ष और विपक्ष के बीच आपातकाल को लेकर बहस करेगी।वहीं सदन की तरह लोकसभा अध्यक्ष और उप लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका को प्रबुद्धजन निभाएंगे । भाजयुमो महानगर अध्यक्ष सचिन डेढ़ा ने मॉक पार्लियामेंट को लेकर पार्टी कार्यालय में बैठक करके पूरी रणनीति तैयार की । बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो सोनू वाल्मीकि ने बताया कि आपातकाल में तब की पीएम इंदिरा गांधी ने नागरिकों के मौलिक, संवैधानिक अधिकारों का हनन करके निदोर्षों को जेल में डलवाया था। भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू वाल्मीकि ने बताया कि मॉक पार्लियामेंट में युवा कार्यकर्ता होंगे जो पक्ष और विपक्ष की भूमिका में रहेंगे। मॉक

पार्लियामेंट में सांसद भूमिका निभाने वाले सत्ता पक्ष के सांसद विपक्षी सांसदों के तर्कों का विरोध करेंगे। एक तरह से संसद की तरह इसका आयोजन होगा ताकि युवाओं को आपातकाल की त्रासदी की सच्चाई बताई जा सके।बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में महानगर अध्यक्ष भाजपा मयंक गोयल ने बताया कि संविधान की हत्या करने का हुआ था प्रयास क मयंक गोयल ने कहा कि वर्ष 1975 में कांग्रेस ने लोकतंत्र और संविधान की हत्या करने का कुत्सित प्रयास किया था। बैठक में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय महामंत्री अनुज कश्यप, क्षेत्रीय मंत्री काजल त्यागी, महानगर उपाध्यक्ष राम त्यागी, मोनू त्यागी, आशीष चौधरी, महानगर महामंत्री नितिन शर्मा, संदीप चौधरी, महानगर मीडिया प्रभारी अभिजीत मुखर्जी, महानगर मंत्री दीपक शर्मा, रोबिन तोमर, पुष्पेंद्र गुप्ता, पंकज लड्ढू, अनुज कसाना, कपिल मावी, रॉबिन भड़ाना, सोनू चौधरी, आशु गुर्जर सूरत सेन विपिन यादव मोहित ठाकुर राहुल भाटी एवं अन्य कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

न्यूज फ्लैश

झूठी सूचना देकर कोर्ट को गुमराह करने के आरोप में तीन वकीलों समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। 18 सितंबर को गाजियाबाद कोर्ट में जज के सामने हुए अधिवक्ताओं के विवाद में नया मोड़ आ गया है। कोर्ट रूम में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर विवेचक ने 19 सितंबर 2024 को मुकदमे को खत्म कर दिया।मामले में नामजद अधिवक्ता रोहित गोला, भवनीश गोला समेत अन्य ने अब अधिवक्ता ललित मित्तल, अधिवक्ता वेदप्रकाश शर्मा, अधिवक्ता राजेंद्र सैनी समेत अन्य के खिलाफ झूठी सूचना देने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है।अधिवक्ता भवनीश गोला ने बताया कि 18 सितंबर 2024 को कोर्ट नंबर 24 में वह अपने मुवक्किल का पक्ष रखने के लिए जज के सामने खड़े थे। तभी विपक्षी अधिवक्ता ललित मित्तल, वेदप्रकाश, राजेंद्र सैनी आदि लोग वहां पहुंचे और उनको गाली देना शुरू कर दिया। उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर उनका कॉलर पकड़कर धक्का दिया।यह पूरा मामला कोर्ट रूम में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया। वह इसकी शिकायत लेकर तभी कविनगर थाने गए, लेकिन पुलिस ने उनकी सुनवाई न करते हुए ललित मित्तल पक्ष की शिकायत लेकर उल्टा उनके खिलाफ ही हत्या के प्रयास, आभूषण लूटने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली।

इस प्रकरण में उन्होंने हाइकोर्ट में याचिका दायर कर कोर्ट रूम में लगे सीसीटीवी की फुटेज सुरक्षित कराने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने सीसीटीवी सुरक्षित करने का आदेश दिया। इस साक्ष्य को विवेचक के समक्ष पेश किया गया तो उन्होंने एफआर लगाकर मुकदमा बंद कर दिया। इसके बाद रोहित गोला की ओर से थाने में शिकायत दी गई। इसमें पुलिस को झूठी सूचना देने और कोर्ट रूम के वाकये में कार्रवाई की मांग की है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर मामले की जांच शुरू कराई गई है।

बस अड्डे पर नकदी से भरा बैग चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

लोक प्रेरणा

साहिबाबाद। लिंक रोड थाना क्षेत्र स्थित कौशांबी बस अड्डे पर दिल्ली जा रहे गुजरात में आलू कारोबारी हसमुखपुरी की कंपनी में कार्यरत मुनीम अजय भारती का 31 लाख रुपये की नकदी से भरा बैग चोरी करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।आरोपियों के पास से पुलिस ने चोरी हुई रकम में से 24 लाख ही बरामद किए हैं।

बाकी रकम लेकर चंपत हुए चौथे आरोपी रोहन मनोज की तलाश पुलिस कर रही है। गिरफ्तार हुए युवकों में गुजरात के गांधीनगर निवासी ऑटो रिक्शा चालक भावेश, उसका दोस्त विष्णु उर्फ ढोलो और पीड़ित की कंपनी के पड़ोस में ही संचालित दूसरी ट्रेडिंग कंपनी के ही मुनीम अशोक कुमार उर्फ विशाल उर्फ खोदो हैं।

एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि 19 जून को आलू कारोबारी हसमुखपुरी ने थाने पर तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि उनका मुनीम अजय भारती 17 जून को बरेली के आढ़तियों से रकम लेकर दिल्ली जा रहा था। यहां से उसे गुजरात आना था। उसके बैग में 31 लाख रुपये की नकदी रखी थी। कौशांबी बस अड्डे पर किसी व्यक्ति ने उनके मुनीम का नकदी से भरा बैग चोरी कर लिया।एसीपी ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर चार संदिग्ध दिखाई दिए। इनकी तलाश करते हुए पुलिस गुजरात पहुंची और आरोपी अशोक, विष्णु और भावेश को गिरफ्तार कर गाजियाबाद लेकर आई। यहां पूछताछ करने पर आरोपी अशोक ने बताया कि वह अजय भारती की तरह ही दूसरी कंपनी में मुनीम की नौकरी करता है। अजय भारती से उसकी अच्छी दोस्ती थी। वह भी कई बार कंपनी का रुपया लेने बरेली आ चुका था। 17 जून को बातचीत के दौरान अजय भारती ने उसे बरेली जाने की बात बताई थी।

उसके गुजरात से निकलने के छह घंटे के अंदर अशोक ने बाकी साथियों को एकत्र किया और चोरी की योजना बनाकर खुद भी बरेली पहुंच गया। इसके बाद अजय भारती के साथ ही रोडवेज बस में बैठकर कौशांबी आने लगा।कौशांबी बस अड्डे पर मुनीम को सोता देख उसका बैग चुराकर बाकी साथियों को दे दिया और शक न हो इसके लिए खुद वहीं रुका रहा। बताया कि आरोपी भावेश, विष्णु 24 लाख रुपये लेकर गुजरात चले गए और तीसरा आरोपी रोहन मनोज रास्ते में ही उतर गया। एसीपी श्वेता यादव ने बताया कि चौथे आरोपी की तलाश की जा रही है, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कांवड़ यात्रा से पूर्व जनपद में गड्ढामुक्त होंगी 13 सड़क

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। 11 जुलाई से जिले में कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है। शासन स्तर से कांवड़ मार्गों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए हैं। लोक निर्माण विभाग की ओर से जिले में 13 सड़कों को चिन्हित किया गया है। मरम्मत के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। गाजियाबाद, मुरादनगर, मोदीनगर और लोनी क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत की जाएगी। कांवड़ यात्रा के लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शासन ने सड़कों को गड्ढामुक्त रखने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके लिए शासन ने अलग से बजट का प्रावधान नहीं किया है। लोक निर्माण विभाग की ओर से सड़कों का सर्वे करने के बाद कुल 13 सड़कों की सूची तैयार की गई है। इनमें गाजियाबाद शहर की तीन व जिले के प्रमुख सड़कें शामिल हैं।इस बार एक्सप्रेसवे पर भी अगर गड्ढा है, तो इसे भी लोक निर्माण विभाग की ओर से ही भरा जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने कार्य को कांवड़ यात्रा से पूर्व पूरा करने के लिए अलग-अलग टीमें लगा दी हैं। अवर अभियंता किशन कुमार ने बताया कि शासन की ओर से

चार श्रेणियों में सड़कों को वगीर्कृत किया गया है। इसमें पहली श्रेणी में मुख्य, ग्रामीण, राजकीय और अन्य मार्गों शामिल हैं। अन्य मार्गों में शिव मंदिरों तक जाने वाले मार्गों को शामिल किया गया है। इन सड़कों पर सर्वे में कई जगह गड्ढे पाए गए हैं। इसका कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा।

-ये प्रमुख सड़कें होंगी गड्ढामुक्त-

लोक निर्माण विभाग की ओर से कांवड़ियों की सुविधा के लिए कुल 13 सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाएगा है। इनमें 45 किलोमीटर का कादराबाद से गाजीपुर मार्ग, 12.5 किलोमीटर गंगनहर पटरी मार्ग और 15 किलोमीटर पाइपलाइन मार्ग प्रमुख रूप से शामिल हैं।

विभाग की ओर से प्रमुख मार्गों के अलावा अबूपुर मार्ग, शाहजादपुर मार्ग, जीटी रोड दूधेश्वरनाथ मार्ग, लोनी, एक्सप्रेसवे, सिंचाई विभाग की सड़कें, सुरहाना मंदिर मार्ग समेत अन्य मार्गों की मरम्मत होगी। इन सड़कों की 11 जुलाई से पहले मरम्मत करा दी जाएगी।

अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग रामराजा ने बताया कि शासन की ओर से दिए गए निदेर्शों के अनुपालन में सर्वे पूरा कर लिया गया है। कुल 13 सड़कें चिह्नित की गई हैं। इन सड़कों पर पैचवर्क का कार्य किया जाएगा। ताकि शिवभक्तों को कांवड़ यात्रा के दौरान समस्या न हो। यह कार्य टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से पूरा किया जाएगा।

श्री 1008 दिगम्बर जैन मंदिर जैन नगर में चल रहे अर्हम स्वाध्याय एवं योग शिविर का समापन हुआ

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद । श्री 1008 दिगम्बर जैन मंदिर जैन नगर में मुनि 108 प्रणम्य सागर महाराज की प्रेरणा से स्याद्वाद महिला समिति जैन नगर एवं मंदिर कमेटी जैन नगर के तत्वावधान में चल रहे अर्हम स्वाध्याय एवं योग शिविर का समापन रविवार को हो गया। शिविर के अंतिम दिन परीक्षा का आयोजन भी हुआ जिसके विजेताओं को सम्मानित किया गया। मुनि 108 श्री प्रणम्य सागर महाराज द्वारा प्रशिक्षित विद्वानों प्रकर्ष व पुनीत भैया ने बच्चों को बाल बोध एवं बड़ों को अर्हम योग प्रणेता मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर द्वारा रचित नई छह ढाला की प्रथम ढाल का स्वाध्याय कराया। छह

दिन तक चले शिविर में स्याद्वाद महिला समिति जैन नगर के अलावा वीरेंद्र जैन पंचवटी, दिनेश जैन गगन एंक्लेव, सुषमा जैन, एकता जैन, नीरज जैन पंचवटी, रमेश चंद जैन, सुनील जैन नेहरू नगर, अध्यक्ष पंकज जैन तिरपाल वाले, मंत्री देवेंद्र जैन व मंदिर कमेटी का विशेष सहयोग रहा। पाठशाला के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शिविर के अंत में हुई परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया जिसमें बच्चों के वर्ग में प्रथम पुरस्कार आराध्य जैन द्वितीय पुरस्कार आराध्य जैन एवं अर्हम जैन तथा तृतीय पुरस्कार आदित्य जैन ने प्राप्त किया। बड़ों के वर्ग में प्रथम पुरस्कार सुषमा जैन द्वितीय पुरस्कार ऋतु जैन, निधि जैन तृतीय पुरस्कार दिव्या जैन ने प्राप्त किया। अर्हम ध्यान योग के अन्तरप्पा प्रद्युम्न जैन, हंस कुमार जैन, अभिनव जैन, अनु जैन, दिव्या जैन, दीपाली जैन आदि भी मौजूद रहे।

चोरी 11 सरकारी पेड़ काटने पर 3 लाख जुमार्ना वसूला, महज जुमार्ना लगा कर छोड़ दिया आरा मशीन

लोक प्रेरणा

त्रिलोकपुर बाराबंकी। सरकारी वृक्षो को काट कर माल एक आरा मशीन पर छुपाने के मामले में वन विभाग ने 3 लाख रुपया जुमार्ना वसूल किया है। थाना मसौली व रामनगर रेंज अन्तर्गत सुरवारी ड्रेन (नहामऊ) के किनारे लगे 4 अर्जुन पेड़ 2 शीशम 5 नीम को रातों रात चोरी से काट कर ठूठों को जला दिया ताकि सबूत न मिल सके। इस अवैध कार्य मे चेतराम पुत्र रामप्रसाद निवासी नहामऊ रामनगर ठेकेदार रोहित सिंह पुत्र तेजबहादुर निवासी मसूदमऊ थाना मसौली व मसौली स्थित एक आरा मशीन की मिलीभगत करके रात का फायदा उठाकर यह कार्य किया किया था। रेंजर अल्पना पांडे ने मोहित श्रीवास्तव ने बताया की वन प्रभागीय वनाधिकारी आकाशदीप बधावन के निर्देश पर दोनो अभियुक्तो को विभाग की अभिरक्षा मे रेंज कार्यालय मे रखा गया। बताया दोनो अभियुक्तो के विरुद्ध मुकदमा संख्या 22/2025-26 भी दर्ज कर लिया गया है। बताया कि अभियुक्तो के विरुद्ध वन अपराध मे सम्मलित पिछले वर्षो का रिकार्ड निकाल कर वन माफिया मे नामित करने की कार्यवाई की जा रही है।

महज जुमार्ना लगाकर छोड़ दिया आरा मशीन

मसौली स्थित जिस आरा मशीन पर 11 सरकारी पेड़ो का सारा माल विभागीय टीम ने बरामद किया वह रोज की तरह संचालित है। कोई ठोस कार्यवाही नही होने से प्रकरण चर्चा में है। इस मामले में रेंजर अल्पना पांडे ने बताया कि आरा मशीन पर भी जुमार्ना लगाया गया है। बताते है कि यह मशीन ये विधायक के रिस्तेदार की है।

बदोसराय कोतवाली को मोहर्रम को लेकर बैठक आयोजित

लोक प्रेरणा

सिरौलीगौसपुर

बाराबंकी। कोतवाली बदोसरांय में मोहर्रम पर्व को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार ने की। रविवार को कोतवाली परिसर के आगंतुक कक्ष में आयोजित बैठक में शहरी बदोसरांय, मरकामऊ, किंतूर और मेला रायगंज के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रभारी निरीक्षक ने सभी से पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी मोहर्रम को शांतिपूर्वक मनाने की अपील की। बैठक में ग्राम प्रधान बदोसरांय निसार मेहंदी, मरकामऊ के पूर्व प्रधान नसरुद्दीन, सिराजुद्दीन, एखलाख हुसैन, आलादीन, मोहम्मद खलील, हाफिज शहाबुद्दीन, लतीफ कुरैशी, मोहम्मद अनवर, मोहम्मद सईद, रामजी लाल, गौस मोहम्मद और हाफिज शमसुद्दीन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में मरीजो को मुफ्त दवाएं वितरण किया

लोक प्रेरणा

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। श्री कोटवाधाम चौराहे स्थित रावत मार्केट में रविवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब डेढ़ सौ मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। मरीजों को मुफ्त दवाएं वितरित की गईं। साथ ही श्वांस रोग की विशेष जांच पीएफटी भी नि:शुल्क कराई गई।एमबीबीएस, एमडी चेस्ट स्पेशलिस्ट डॉ. हर्ष सक्सेना और न्यूरो-साइक्रेटिक विशेषज्ञ डॉ. विवेक कुमार उपाध्याय ने मरीजों की जांच की। चिकित्सकों ने मरीजों को आवश्यक परामर्श भी दिया। शिविर में एलर्जी, शुगर, सांस और मानसिक रोगों से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही।सेवानिवृत्त सहायक अभियंता संजय कुमार सक्सेना ने इस शिविर का आयोजन किया। रामू काका, अजय रावत एडवोकेट, शालू रावत एडवोकेट, पूर्णमासी वर्मा, कवि प्रेम नारायण वर्मा प्रेम जी, दिनेश कुमार रावत समेत कई गणमान्य लोगों ने सहयोग दिया।

मैंगो पार्टी में नेताओ एव सामाजिक कार्यकर्त्ताओ ने कई प्रजातियों के आम का स्वाद लिया

लोक प्रेरणा

मसौली बाराबंकी। बड़ागांव स्थित कोठी मे रविवार को आयोजित मैंगो पार्टी मे सर्वदलीय नेताओ एव सामाजिक कार्यकर्त्ताओ ने विभिन्न प्रजातियों के आम का स्वाद लिया। मैंगो पार्टी मे याकुती, बेनजीर, हुस्नआरा, चौसा, बंबइया, लखनौवा, आम्रपाली समेत कई किस्मों के आमों के जायकों का लोगो ने लुत्फ लिया।

कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एव प्रदेश महामंत्री फवाद उर रहमान किदवाई की कोठी मे रविवार को आयोजित मैंगो पार्टी मे पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविन्द सिंह गोप, पूर्व सांसद पी एल पुनिया, विधायक सुरेश यादव, इमरान उर रहमान किदवाई, विधायक रामनगर फरीद महफूज किदवाई, विधायक गौरव रावत, पूर्व विधायक राम गोपाल रावत, पूर्व एमएलसी राजेश यादव राजू, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहसिन किदवाई, अलीम किदवाई, पूर्व प्रमुख यासिर आराफत किदवाई, मो0 अहमद शहंशाह, फराज किदवाई, हशमत अली गुड्डू, सरताज चौधरी, सहित वरिष्ठ पत्रकार हश्मतउल्ला, तारिक खान, परवेज अहमद, अजीज अहमद अज्जू, उमेर सिद्दीकी सहित भारी संख्या मे लोगो ने आम का जयका लिया। मैंगो पार्टी के आयोजक फवाद उर रहमान किदवाई, मिस्वाउर रहमान किदवाई, शाद अल्ताफ उर रहमान किदवाई महबूब उर रहमान किदवाई, सना उर रहमान किदवाई, दानिश किदवाई नईम उर रहमान किदवाई ने लोगो का इस्तकबाल किया।

दशहरी-लंगड़ा आम पर भारी पड़ रहा सचिन और एश्वर्या का जलवा

आम की खुशबू से महका मुगल दरबार, महोत्सव में दिखी 150 किस्म के आम

लोक प्रेरणा

बाराबंकी। जिला सत्र न्यायालय की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुधा सिंह ने रविवार को शहर के स्टेशन रोड स्थित मुगल दरबार में स्वर्गीय राजीव चौधरी पर्यावरण संरक्षण समिति द्वारा 14वीं आम महोत्सव एवं गोष्ठी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न किस्म के मैंगो शेक का स्वाद भी लिया। आम का रसास्वादन कर सीजेएम सुधा सिंह ने आम की मिठास और स्वाद की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुझे आम की बहुत कम वैरायटी मालूम थी यहां बहुत सारी वैरायटी देखकर बहुत अच्छा लगा। प्रदर्शनी में देशी आम के अलावा गुलाब खास, मल्लिका, हुश्नआरा, अम्बिका, पान पराग, जाफरान, मोहन भोग, नीलम केसर, बेनजीर, आम्रपाली, लता, तोतापरी, याकूती, सुर्ख दशहरी, गुलाब खास, चौसा, नूरजहां, स्वर्ण रेखा, जौहरी सफेदा, लंगड़ा, सीर-ए-हयात, तहनवाज पसंद, खजुरी, लंगड़ा बनारसी, राम केवड़ा, मुमताज पसंद, मक्खन आदि किस्मो की सराहना की। इस विशेष आयोजन में आम 150 से अधिक नमूने प्रदर्शन के लिए रखे

गए, जो कृषकों और आमजन के आकर्षण का केंद्र बने रहे। प्रदर्शनी में हिमसागर (कोलकता), अल्फांसो (महाराष्ट्र), मियां जाकी (जापान), सुर्खा (भोपाल) आदि शामिल रहे। गोष्ठी में उपस्थित आम की बागबानी करने वाले भयारा निवासी अलीम किदवाई ने लोगों ने आम के बागबानों में जहरीले रसायन का छिड़काव न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले में यदि बागवानी के क्षेत्रफल को हटा दिया जाए तो पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाएगा। आम के बाग स्वाद और सेहत दोनों का ख्याल रखती है। हमें पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए अपने बगीचे में एक आम का पेड़ जरूर लगाना चाहिए। प्रदर्शनी में जहां दशहरी, याकूती, अंबिका, आम्रपाली, सेंसेशन की प्रजाति देखने को मिली वहीं पद्श्री कलीमुल्ला खान द्वारा आम की नई वैरायटी नूरजहां, सचिन तेंदुलकर, एश्वर्या राय बच्चन, अनारकली और डॉक्टर गोला का जलवा बरकरार रहा। ये किस्में अपनी गुणवत्ता, अच्छे रंग के कारण प्रसिद्ध है। गोष्ठी का संचालन मो उमैर किदवाई ने किया। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक एवं पर्यावरणविद् हाजी सलाउद्दीन किदवाई और जतिन चौधरी ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर गांधवादी चिन्तक राजनाथ शर्मा, समाजसेवी सुनील झुनझुनवाला, वरिष्ठ पत्रकार तारिक खान, मुजीब शमी किदवाई, मो मोहसिन, पूर्व ब्लाक प्रमुख सुरेन्द्र वर्मा, पूर्व विधायक सरवर अली खान, विधायक सुरेश यादव, विकास यादव, सुशील मिश्रा, सभासद ताज बाबा राईन, इमरान किदवाई, तौकर करार, सपा प्रवक्ता फराज किदवाई, अजय सिंह, हुमायूं नईम खान, इरफान कुरैशी, अनवर महबूब किदवाई, आदिल हसन, परवेज अहमद, नैयर जमाल, आदि जिलेभर से आम की बागवानी के शौकीन लोग उपस्थित रहे।

फहीम को प्रदेश मीडिया प्रभारी बनाये जाने पर चेयरमैन कमर ने दी बधाई

लोक प्रेरणा

फतेहपुर बाराबंकी। फतेहपुर क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी फहीम सिद्दीकी को हज वेलफेयर सोसाइटी द्वारा उत्तर प्रदेश का मीडिया इंचार्ज नियुक्त किये जाने पर लोगो मे खुशी है तो वही लगातार उनका जबरदस्त स्वागत हो रहा है। वही फतेहपुर के आदर्श नगर पंचायत अध्यक्ष इरशाद अहमद कमर ने भी श्री सिद्दीकी को मुबारबाद दी और उनको नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री कमर ने स्वागत के दौरान कहा कि हज वेलफेयर सोसाइटी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष असजद नोमानी की संस्तुति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकीत खान द्वारा फहीम को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है उसे ईमानदारी से निभाएंगे और काम करेंगे। श्री

कमर ने ये भी बताया कि फहीम सिद्दीकी क्षेत्र में कई ऐसे काम किये है जो चर्चा बना रहता है। आज स्वागत के दौरान फहीम सिद्दीकी ने भी संबोधित करते हुवे कहा कि मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष को विश्वास दिलाता हूँ कि हज वेलफेयर सोसाइटी के लिये दिन रात मेहनत से काम करूंगा। क्षेत्र के पत्रकार अजमत अली ने बताया कि फहीम सिद्दीकी को जो जिम्मेदारी मिली है उसे पूरी ईमानदारी के साथ काम करेंगे।इस मौके पर एड शहाबुद्दीन, डॉ फहीम अंसारी, पूर्व सभासद मोहर्रम अली, कबीर खान, मुकितुर्रहमान खान, शिवनाथ, सीताराम उपस्थित रहे।

सरकार ने सरकारी स्कूलों को निजीकरण किया गया तो कांग्रेस पार्टी विरोध करेगी

लोक प्रेरणा

बाराबंकी। सरकारी स्कूल न केवल शिक्षा का केन्द्र है बल्कि सामाजिक समरसता लैगिक समानता और अवसर की समानता के प्रतीक है शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है अगर आज हम चुप रहे तो कल आने वाली पीढिया शिक्षा से वंचित रह जायेगी। यह सिर्फ सरकारी स्कूलो को बचाने की लडाई नही है यह भारत के भविष्य को बचाने की लडाई है। उक्त कडी प्रतिक्रिया पूर्व सांसद डा0 पी0एल0 पुनिया ने आज भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश में सरकारी प्राथमिक विद्यालयो को मरजर करने की तैयारी पर व्यक्त करते हुये कहा कि भाजपा सरकार द्वारा सरकारी स्कूलो को बन्द करना गरीब दलितो ओर पिछडो के भविष्य पर हमला है एक सुनियोजित साजिश के तहत सरकार गरीब, दलितो पिछडो तथा आदिवासी समाज के बच्चो को शिक्षा से बंचित करने का प्रयास कर रही है। पूर्व सांसद श्री पुनिया ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने शिक्षा का अधिकार दिया और देश भर में प्राथमिक विद्यालयो की श्रंखला खडी की और प्राइमरी एजुकेशन मिशन, मिड-डे-मील जैसी योजना चलाकर गरीब परिवार के बच्चो को मुख्यधारा से जोडा लेकिन आज की भाजपा

सरकार इन नीतियो को उलट रही है जो अत्याचार है सरकार का यह फैसला सीधे तौर पर समाजिक विषमता को बढवा देगा भाजपा की सरकार इन सरकारी स्कूलो को बन्द करके निजीकरण और शिक्षा के बाजारीकरण को बढावा दे रही है जिसमें समाज का सबसे कमजोर वर्ग को पीछे धकेल दिया जायेगा अगर भाजपा सरकार शिक्षा के अधिकार से खेलने का काम करेगी तो कांग्रेस पार्टी इसका विरोध सडक से सदन तक करेगी और गरीब बच्चो को शिक्षा का अधिकार दिलाकर रहेगी। श्री पुनिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी गरीब बच्चो को अनिवार्य शिक्षा दिलाने के लिये प्रतिबद्ध है और अगर भाजपा सरकार द्वारा प्राथमिक स्कूलो को मरजर करने की संविधान विरोधी नीति को तत्तकाल वापस नही लेती हम प्रदेश के महामहिम राज्यपाल से अनुरोध करेगे कि इस अहम समस्या पर तत्काल ध्यान देकर सरकार को अपने प्राथमिक विद्यालयो के मर्जर करने के निर्णय वापस लिये जाने का निर्देश दे नही तो कांग्रेस पार्टी गरीब छात्रो को शिक्षा दिलाये जाने के सरकार के इस निर्णय के खिलाफ चरणबद्ध तरीके आन्दोलन चलाकर सरकार को अपना निर्णय वापस लिये जाने पर विवश करेगी। कांग्रेस पार्टी के इस आन्दोलन में समस्त कांग्रेसजनो, शिक्षक संगठनो, अभिभावको और सामाजिक संगठनो को शामिल होने का अनुरोध किया है।

विटामिन डी की कमी से बच्चों को होती हैं बीमारियां

बच्चों की देखभाल हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। ज्यादातर बच्चों को खाने-पिलाने के लिए काफी मशकत करनी पड़ती है। सुबह के टिफिन से लेकर रात के खाना खिलाने तक बच्चों को कई बहाने बनाने पड़ते हैं। कारण ये भी है कि कई बच्चे अपने मां-बाप की एक नहीं सुनते और खामियाजा मां-बाप को भुगतना पड़ता है। जिसकी वजह से बच्चों में कई विटामिनों की कमी आ जाती है। एक खोज से पता चला है कि शरीर में विटामिन ''डी' की कमी से खासकर बच्चों को कई जानलेवा बीमारियां होने का रिस्क होता है। जिन बच्चों में क्रोनिक किडनी की बीमारी होती है उनमें विटामिन ''डी' की कमी पाई जाती है जिसमें किडनी की दीर्घकालिक बिमारी से गुर्दे संबंधी खराबी सामने आती है।

किडनी: साल और मौसमों की तुलना में सर्दी के मौसम में विटामिन ''डी' का स्तर नीचे पाया गया। ''विटामिन ''डी' का स्तर विटामिन ''डी' रेगुलेटिंग जीन में भिन्नता से ज्यादा मौसम, बीमारी का प्रकार और पोषण संबंधी पूरकता से निर्धारित होता है।

'ग्लोमेरु लोपैथी' थी जो कई बीमारियों का मिश्रण: शोध के अनुसार विटामिन ''डी' की कमी से जूझने वाले करीबन दो तिहाई बच्चे कुछ असामान्य थे। उन्हें ''ग्लोमेरु लोपैथी' थी जो कई बीमारियों का मिशग्रहै और नेफ्रॉन पर असर डालता है।

क्रोनिक किडनी वाले बच्चों में विटामिन ''डी' की कमी : शोधकर्ताओं के अनुसार कुछ ''मोडिफाएबल' और कुछ ''नॉन मोडिफाएबल' कारण हो सकते हैं जिससे क्रोनिक किडनी की बीमारी वाले बच्चों में विटामिन ''डी' की कमी हो सकती है।

कैंसर. हृदय, ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है: शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि विटामिन डी की कमी से ओस्टेओपोरोसिस, कैंसर, हृदय संबंधी और ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है।

बच्चों को कैसे ठीक किया जाए: सप्लीमेंट लेने पर फिर से सोचना चाहिए और विटामिन डी की कमी को क्रोनिक किडनी की बीमारी वाले बचचिों में कैसे पकड़ा और ठीक किया जाए इसपर हस्तक्षेप होना चाहिए।

शोधकर्ताओं ने बताया: हमारी शोध टीम ने 12 यूरोपीय देशों में किडनी की बिमारी वाले 500 बच्चों पर खोज की। क्लीनिकल जर्नल ऑफ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी ने जो निष्कर्ष दिया उससे इन जवान बच्चों के स्वास्थ्य को बचाया जा सका।

जिन बच्चों ने विटामिन डी लिया: जिन बच्चों को किड़नी की बीमारी रही है और जिन्होंने विटामिन डी सप्लीमेंट लिए हुए थे उनके विटामिन डी का स्तर उन बच्चों से दो गुना था जिन्होंने कोई सप्लीमेंट नहीं लिया था।

साल और मौसमों की तुलना में सर्दी के मौसम में विटामिन 'डी' का स्तर नीचे पाया गया

'सप्लीमेंट लेने पर फिर से सोचना चाहिए और विटामिन 'डी' की कमी को पूरा करना चाहिए

12 यूरोपीय देशों में किडनी की बिमारी वाले 500 बच्चों पर खोज की।

विटामिन डी की कमी से ओस्टेओपोरोसिस, कैंसर, हृदय संबंधी और ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है।

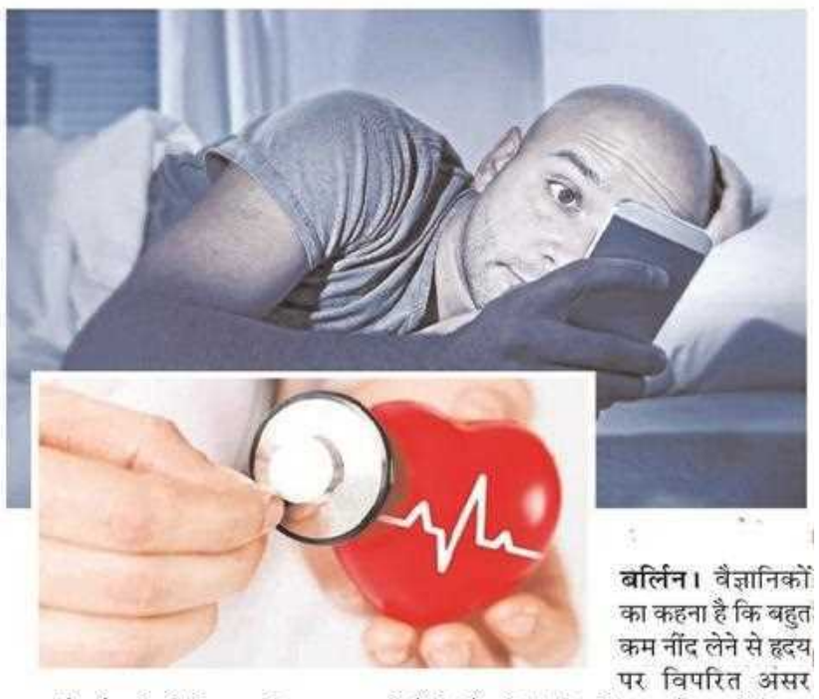

'दिल के लिए घातक है कम नींद लेना'

बर्लिन। वैज्ञानिकों का कहना है कि बहुत कम नींद लेने से हृदय पर विपरित असर पड़ता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि तनाव भरी वैसी नौकरियां, जिनमें 24 घंटे वाली शिफ्ट की जरूरत होती है और सोने के लिए बहुत ही कम समय मिलता है, उनसे रक्तचाप और दिल की गति बढ़ जाती है।वैसे लोग जो अग्निशमन और आपातकालीन चिकित्सा सेवा सहित अन्य तनाव भरी नौकरियों में कार्यरत होते हैं, उन्हें प्राय: 24 घंटे की शिफ्ट में काम करने के लिए बुलाया जाता है तथा उनके पास नींद पूरी करने के कम समय होता है।जर्मनी के बॉन विविद्यालय के डेनियल कुटिंग ने बताया, ''पहली बार, हमने कम नींद लेने को 24 घंटे वाली शिफ्ट से जोड़कर दिखाया है, जिससे हृदय संकुचन, रक्तचार और हृदय गति में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।' इस अध्ययन के लिए शोधार्थियों ने 20 स्वस्थ रेडियोलॉजिस्ट को शामिल किया, जिसमें 19 पुरष और एक महिला थी। अध्ययन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के तनाव का विश्लेषण 24 घंटे की शिफ्ट से पहले और बाद में किया गया। ये प्रतिभागी इस दौरान औसतन तीन घंटे की नींद ले रहे थे।कुटिंग ने कहा, ''इससे पहले हृदय की गतिविधि की जांच बहुत कम नींद लेने के संबंध में तनाव के विश्लेषण के साथ किया गया था। यह हृदय संकुचन जैसे मामलों के लिए सबसे संवदेनशील पैमाना है।' अनुसंधानकर्ता ने प्रतिभागियों से खून और मूत्र के नमूने भी रक्तचाप और दिल की गति मापने के लिए थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-9-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-7

लॉफिंग ज़ोन

वकील (महिला से)- अब आप अदालत को बताएं कि आपने अपने पति को धनुष-बाण से क्यों मारा?

महिला - 'क्योंकि मैं अपने सोए हुए बच्चों को जगाना नहीं चाहती थी!'

☺ ☺ ☺

दो जेलर अरसे बाद एक-दूसरे से मिले.

पहले ने पूछा- क्या तुम्हारी बीवी अब भी कैदियों के लिए गाना गाती है?

दूसरा जेलर - नहीं, कैदियो की शिकायत थी कि उनकी सजा में यह शामिल नहीं है.

☺ ☺ ☺

एक ग्रामीण अपने गधे के पैर बांध रहा था तो सिपाही बोला, 'अपने भाई के पैर क्यों बांध रहे हो?'

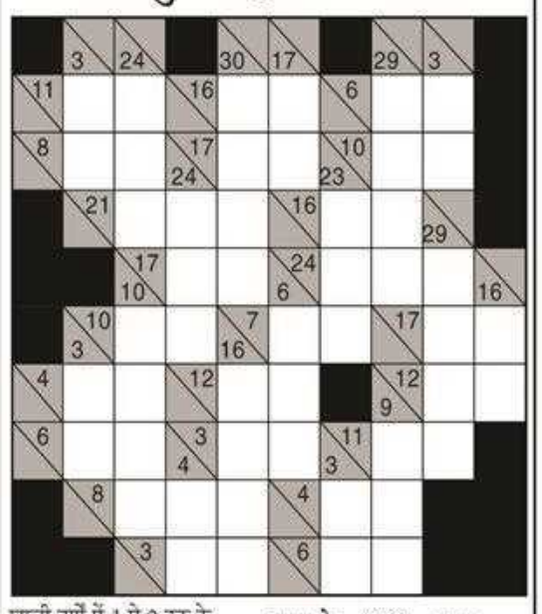

ग्रामीण, 'कहीं यह भी पुलिस में भर्ती न हो जाए इसलिए.'

☺ ☺ ☺

नौकर (मालिक से) - हुजूर, मै अब आपके यहां काम नहीं करूंगा.

मालिक - क्यों? क्या हुआ? क्या तकलीफ है तुम्हें यहां?

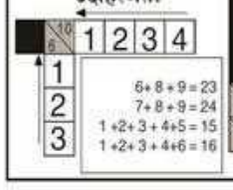

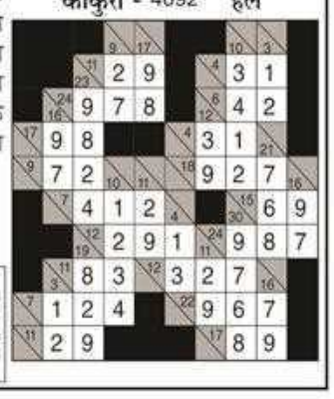

नौकर - साहब बात यह है कि बेगम साहिबा का व्यवहार मेरे साथ अच्छा नहीं है. जब मन करता है, मुझे उसी तरह डांटने लगती है, जैसे आपको डांटा करती हैं.

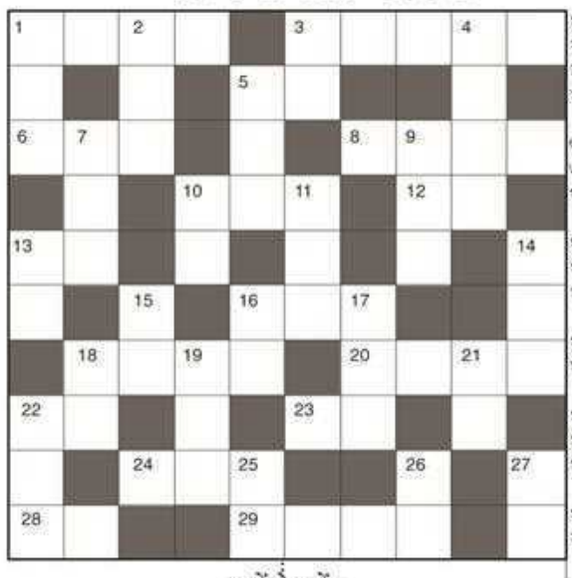

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4093

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4092 हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4093

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे ख्यालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. शॉवरअली, तरुण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरुख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शोबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4092

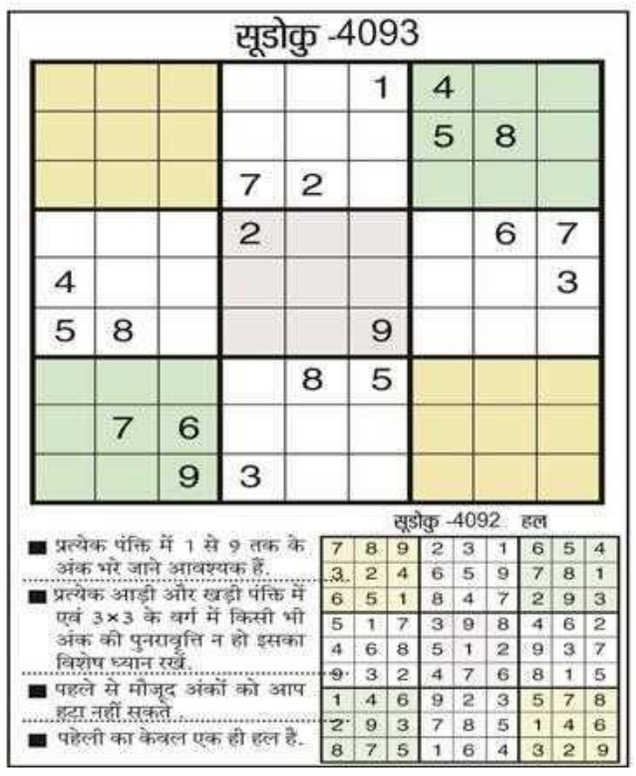

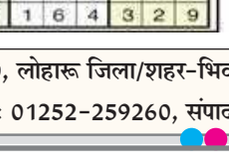

सूडोकु -4093

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4092 हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 4093

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरूम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपूर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -4092 हल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेल: lokparerna@gmail.com, फोन: 01252-259260, संपादक: श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।